आर. एन. आई. नं. UPHIN/2010/32566 डाक. पंजीयन. संख्या– SSP/LW/NP-311

# अद्भुत समाचार

निष्पक्ष एवं निर्भीक हिन्दी साप्ताहिक

हर ख़बर पर पैनी नज़र

वर्ष : 16 अंक : 36 लखनऊ, रविवार 28 दिसम्बर 2025 से 06 जनवरी 2026 तक पृष्ठ–8 मूल्य : एक रूपया

## हताशा का दौर खत्म, Gen-Z के लिए अवसरों की भरमार, PM मोदी ने युवाओं को किया सशक्त

नई दिल्ली। विभिन्न क्षेत्रों में पैदा हो रहे अवसरों की प्रचुरता पर जोर देते हुए, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 'जेन–जी' की क्षमताओं और आत्मविश्वास पर भरोसा जताया और उन्हें कड़ी मेहनत और अनुशासन के माध्यम से राष्ट्र के विकास के लिए प्रयास करने और विकसित भारत के लक्ष्य को पूरा करने के लिए प्रोत्साहित किया। 'वीर बाल दिवस' के अवसर पर आयोजित राष्ट्रीय कार्यक्रम को संबोधित करते हुए, पीएम मोदी ने युवाओं को उम्र की परवाह किए बिना बड़ी चुनौतियों का सामना करने की सलाह दी। पीएम मोदी ने कहा कि संगठन से जुड़े इतने सारे युवा यहां उपस्थित हैं। एक तरह से आप सभी श्जेन–जेडश, 'जेन–अल्फा' हैं। आपकी पीढ़ी भारत को विकसित भारत के लक्ष्य तक ले जाएगी। मैं 'जेन–जेड' की क्षमताओं और आपके आत्मविश्वास को देखता और समझता हूं, इसलिए मुझे आप पर पूरा भरोसा है। उम्र यह तय नहीं करती कि कौन छोटा है और कौन बड़ा। आप अपने कर्मों और उपलब्धियों से बड़े बनते हैं। कम उम्र में भी आप ऐसा काम कर सकते हैं जिससे दूसरे प्रेरणा लें। पीएम मोदी ने युवाओं को अल्पकालिक लोकप्रियता से विचलित न होने की सलाह दी और उन्हें राष्ट्र निर्माण में योगदान देने वाले महान व्यक्तित्वों से सीखने के लिए प्रोत्साहित किया। उन्होंने कहा कि आपको एकाग्र रहना होगा,

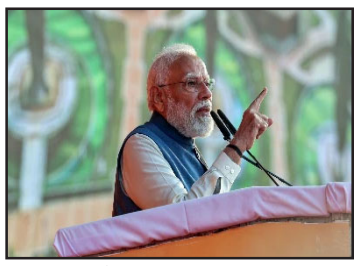

और इसके लिए यह आवश्यक है कि आप अल्पकालिक लोकप्रियता की चकाचौंध में न उलझें। आपको अपने आदर्शों से सीखना चाहिए, देश के महान व्यक्तित्वों से सीखना चाहिए। आपको अपनी सफलता को केवल अपने तक सीमित नहीं समझना चाहिए। आपका लक्ष्य यह होना चाहिए कि आपकी सफलता राष्ट्र की सफलता बने। यह देखते हुए कि एनडीए के नेतृत्व वाली सरकार ने भारत को रूपांतरित करने वाली पहलों के माध्यम से निराशा और हताशा के माहौल को पार कर लिया है, पीएम मोदी ने कहा कि अब युवाओं के पास हर क्षेत्र में प्रगति करने का अवसर है। उन्होंने कहा कि पहले, युवा सपने देखने से भी डरते थे, क्योंकि पुरानी व्यवस्था ने ऐसा माहौल बना दिया था जहाँ लगता था कि कुछ भी अच्छा नहीं हो सकता। हर जगह निराशा और हताशा का माहौल छाया हुआ था। लोग सोचने लगे थे, "मेहनत करने का क्या फायदा?" लेकिन आज, देश प्रतिभाओं की तलाश करता है और उन्हें एक मंच प्रदान करता है। १.४ अरब देशवासियों की ताकत उनके सपनों के पीछे है। उन्होंने आगे कहा कि डिजिटल इंडिया की सफलता के बदौलत आपके पास इंटरनेट की शक्ति है। आपके पास सीखने के संसाधन हैं। विज्ञान, प्रौद्योगिकी और स्टार्टअप के क्षेत्र में प्रवेश करने वालों के लिए स्टार्टअप इंडिया जैसे अभियान हैं। खेल में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वालों के लिए खेलो इंडिया अभियान है। वीर साहिबजादों का जिक्र करते हुए पीएम मोदी ने युवाओं को बड़े सपने देखने, कड़ी मेहनत करने और अपने आत्मविश्वास को कभी डगमगाने न देने के लिए प्रोत्साहित किया।

## गुरु गोबिंद सिंह का संघर्ष निर्भीकता के मार्ग पर अडिग रहने की प्रेरणा देता है : सीएम योगी

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गुरु गोबिंद सिंह की जयंती पर उन्हें नमन करते हुए शनिवार को कहा कि अन्याय और अधर्म के विरुद्ध उनका

संघर्ष निर्भीकता के मार्ग पर अडिग रहने की प्रेरणा देता है। योगी आदित्यनाथ ने 'एक्स' पर पोस्ट कर कहा, "महान संत एवं धर्मयोद्धा, साहस और त्याग की प्रतिमूर्ति, खालसा पंथ के संस्थापक, दशमेश पिता गुरु श्री गोबिंद सिंह जी महाराज के पावन प्रकाश पर्व पर उन्हें कोटि–कोटि नमन।" उन्होंने कहा, "अन्याय व अधर्म के विरुद्ध आपका संघर्ष और धर्मरक्षा का संदेश संपूर्ण मानवता को सत्य, निष्ठा एवं निर्भीकता के मार्ग पर अडिग रहने की प्रेरणा देता है।" भारतीय जनता पार्टी की प्रदेश इकाई के अध्यक्ष पंकज चौधरी ने 'एक्स' पर पोस्ट कहा, "सिखों के दसवें गुरु और खालसा पंथ के संस्थापक गुरु गोबिंद सिंह जी के पावन प्रकाश पर्व की आप सभी को लख–लख बधाइयां।" चौधरी ने कहा, "धर्म, मानवता, समानता और प्रेम–भाईचारे का जो मार्ग उन्होंने दिखाया, उनकी शिक्षाएं और विचार आज भी समाज को दिशा देने वाले प्रकाश–स्तंभ हैं।" हर वर्ष पौष माह के शुक्ल पक्ष की सप्तमी तिथि को गुरु गोबिंद सिंह की जयंती मनाई जाती है। इस अवसर पर गुरुद्वारों में अखंड पाठ साहिब का आयोजित किया जाता है।

## लाल किला बम धमाका: NIA ने बढ़ाई दो मुख्य आरोपियों की रिमांड, बड़े खुलासे की उम्मीद

नई दिल्ली। विशेष अदालत ने लाल किले में हुए घातक बम विस्फोट मामले में राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) द्वारा जांच किए जा रहे दो प्रमुख आरोपियों की हिरासत बढ़ा दी, जबकि आतंकवाद विरोधी एजेंसी हमले के पीछे की बड़ी साजिश को सुलझाने में लगी हुई है। अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश प्रशांत शर्मा ने एनआईए को आरोपी यासिर अहमद डार की दस दिन की और हिरासत दी, साथ ही एजेंसी को डॉ. बिलाल

नसीर मल्ला से आठ दिन और पूछताछ करने की अनुमति दी। अदालत ने अभियोजन पक्ष की इस दलील को स्वीकार किया कि आतंकी नेटवर्क की शेष कड़ियों का पता लगाने और अब तक एकत्र की गई सामग्री को सत्यापित करने के लिए निरंतर हिरासत में पूछताछ आवश्यक है। एनआईए के अनुसार, १० नवंबर को लाल किले के बाहर हुए कार बम विस्फोट की योजना उमर–उन–नबी ने बनाई थी, जो हमले के समय विस्फोटक से भरी गाड़ी चला रहा था। इस विस्फोट में १५ लोगों की जान चली गई और दो दर्जन से अधिक लोग घायल हो गए। उमर–उन–नबी की बाद में विस्फोट में मौत हो गई, और फोरेंसिक जांच ने उसकी पहचान की पुष्टि की है।

## मुखर्जी, उपाध्याय और अटल के दृष्टिकोण को आगे बढ़ा रहे प्रधानमंत्री मोदीः योगी आदित्यनाथ

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बृहस्पतिवार को कहा कि तीन महान नेताओं–पंडित श्यामा प्रसाद मुखर्जी, दीनदयाल उपाध्याय और अटल बिहारी वाजपेयी ने भारत को नयी दिशा दी और उनकी विरासत को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में आत्मनिर्भर एवं विकसित राष्ट्र के रूप में आगे बढ़ाया जा रहा है। यहां पूर्व प्रधानमंत्री 'भारत रत्न' अटल बिहारी वाजपेयी की १०१वीं जयंती के अवसर पर मोदी द्वारा 'राष्ट्र प्रेरणा स्थल' के लोकार्पण के मौके पर आयोजित समारोह को संबोधित करते हुए आदित्यनाथ ने कहा कि अटल बिहारी वाजपेयी के भारत के उज्ज्वल भविष्य को लेकर कहे गए शब्द केवल आशा की अभिव्यक्ति नहीं थे, बल्कि राष्ट्र के प्रति उनके दूरदर्शी ष्टिकोण, गहरे विश्वास और ढ़ संकल्प को दर्शाते थे। उन्होंने कहा, "जब वाजपेयी ने अपनी कविता में "अंधेरा छंटेगा, सूरज उगेगा और कमल खिलेगा"

की बात कही थी, तो वह भारत के उज्ज्वल भविष्य में उनके अटूट विश्वास का प्रतीक था और एक ऐसा ष्टिकोण था जो आज विकसित भारत के रूप में साकार होता दिख रहा है। योगी ने कहा, "अटल जी ने कवि, पत्रकार, राष्ट्रवादी विचारक और भारत के सच्चे सपूत के रूप में जो नेतृत्व दिया, उसे हर भारतवासी आज विकास के नए रूप में देख रहा है।" मुख्यमंत्री ने कहा, "वाजपेयी की जन्म शताब्दी वर्ष के अवसर पर आयोजित 'राष्ट्र प्रेरणा स्थल' समारोह के मुख्य अतिथि–हम सबके मार्गदर्शक, अमृत काल के सारथी, आत्मनिर्भर एवं विकसित भारत के शिल्पकार, विश्व के सबसे लोकप्रिय नेता एवं देश के यशस्वी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का मैं उत्तर प्रदेश की जनता की ओर से स्वागत करते हैं।" योगी ने कहा,"प्रधानमंत्री जी की प्रेरणा से जब हम आत्मनिर्भर विकसित भारत का वर्तमान स्वरूप देख रहे है, तो कहीं न कहीं डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी, पंडित दीनदयाल उपाध्याय व श्रद्धेय अटल जी का वह मार्गदर्शन भी एक नई प्रेरणा के रूप में हम सबके सामने रहता है।" उन्होंने कहा, "आज भारत माता के उन महान सपूतों के प्रति नमन करने का अवसर भी है। महान स्वतंत्रता संग्राम सेनानी महान शिक्षाविद महामना मदन मोहन मालवीय जी, जिन्होंने काशी में बनारस हिंदू विश्वविद्यालय की स्थापना की थी।" मुख्यमंत्री ने कहा कि उनकी (मालवीय की) सेवाओं को देखते हुए प्रधानमंत्री ने उनको भारत रत्न देकर उनकी सेवाओं को सम्मानित किया। योगी ने कहा कि बिजली पासी ऐसे महान योद्धा थे, जिनके बारे में हर भारतीय के मन में एक नई प्रेरणा प्राप्त होती है।

# सम्पादकीय

## अरावली संरक्षणः प्रकृति की सुरक्षा में एक दूरदर्शी कदम

दिल्ली–एनसीआर के लिए श्फेफड़ोंश का काम करने वाली अरावली पर्वतश्रृंखला को लेकर केंद्र सरकार का हालिया निर्णय पर्यावरण संरक्षण की दिशा में एक निर्णायक मोड़ है। प्रस्तावित 'अरावली सत्याग्रह' और बढ़ते जन–विरोध के बीच सरकार ने राजस्थान, हरियाणा, गुजरात और दिल्ली में नए खनन पट्टों (माइनिंग लीज) पर रोक लगाकर यह स्पष्ट कर दिया है कि अब सियासत पर जनहित और पारिस्थितिक तंत्र की सुरक्षा भारी पड़ेगी। अरावली का अस्तित्व संकट हाल ही में तब और गहरा गया जब माननीय सुप्रीम कोर्ट ने एक नई परिभाषा को मंजूरी दी, जिसके तहत आसपास की जमीन से १०० मीटर से कम ऊंचे हिस्सों को अरावली की श्रेणी से बाहर मान लिया गया। इस मानक ने उन छोटी पहाड़ियों के लिए खतरे की घंटी बजा दी जो झाड़ियों से ढकी थीं और खनन माफियाओं की नजर में थीं। पर्यावरण प्रेमियों की सजगता और राजनीतिक सक्रियता ने इसे एक बड़ा मुद्दा बनाया, जिसके परिणामस्वरूप केंद्र सरकार को त्वरित हस्तक्षेप करना पड़ा। अरावली में तबाही की पटकथा १९६० के दशक में लिखी जानी शुरू हुई थी। संगमरमर, ग्रेनाइट और चूना पत्थर की बढ़ती मांग ने खनन माफियाओं को जन्म दिया। आंकड़ों की तस्वीर डरावनी हैरू पहाड़ियों का गायब होनारू १९७५ से २०१९ के बीच अरावली की लगभग ८ः पहाड़ियां पूरी तरह गायब हो चुकी हैं। राजस्थान में २५ः अरावली क्षेत्र नष्ट हो चुका है, जबकि हरियाणा के नूह, गुरुग्राम और महेंद्रगढ़ जैसे जिले धूल भरी आंधियों की चपेट में हैं। सरिस्का जैसे संरक्षित क्षेत्रों में भी प्रतिबंधों के बावजूद अवैध गतिविधियां जारी रहीं, जिससे जैव विविधता को अपूरणीय क्षति हुई सरकार ने केवल प्रतिबंध ही नहीं लगाया, बल्कि भारतीय वानिकी अनुसंधान और शिक्षा परिषद (**ICFRE**) को वैज्ञानिक योजना बनाने का जिम्मा सौंपा है। यह 'सतत खनन' **(ustainable Mining**) की अवधारणा पर आधारित होगा, जो यह तय करेगा कि प्रेंति कितना भार सह सकती है। सबसे सराहनीय पहलू उन क्षेत्रों को फिर से हरा–भरा करने का निर्देश है, जो खनन के कारण बंजर हो चुके हैं। अरावली न केवल थार रेगिस्तान के विस्तार को रोकती है, बल्कि दिल्ली–एनसीआर के गिरते भूजल स्तर और वायु गुणवत्ता को संभालने का एकमात्र प्राकृतिक कवच है। केंद्र सरकार का नया आदेश और कड़े नियम स्वागत योग्य हैं। यदि मौजूदा खदानों पर भी सुप्रीम कोर्ट के सुरक्षा मानकों को सख्ती से लागू किया जाता है, तो यह राजधानी और आसपास के राज्यों के लिए एक नया जीवनदान साबित होगा। अब समय आ गया है कि अरावली को केवल एक संसाधन के रूप में नहीं, बल्कि उत्तर भारत की 'जीवन रेखा' के रूप में देखा जाए।

## शादी का झांसा देकर किशोरी से दुष्कर्म का आरोपी लिपिक गिरफ्तार

गोंडा। जिले में एक किशोरी को शादी का झांसा देकर उसका यौन शोषण करने, उससे सात लाख रुपये ऐंठने और धोखा देकर दूसरी युवती से शादी करने के आरोप में पुलिस ने कोषागार में तैनात एक लिपिक को गिरफ्तार किया है। पुलिस सूत्रों ने बुधवार को बताया कि नगर कोतवाली क्षेत्र में रहने वाली १६ साल की एक किशोरी को शादी का झांसा देकर उसका यौन शोषण करने, उससे सात लाख रुपये ऐंठने और फिर दूसरी युवती से शादी करने के आरोप में पुलिस ने कोषागार में तैनात लिपिक आशीष सिंह को मंगलवार को गिरफ्तार कर लिया है। उन्होंने दर्ज मुकदमे के हवाले से बुधवार को बताया कि पेंशन के काम लिए कोषागार कार्यालय में जाने के दौरान लड़की की आशीष सिंह से मुलाकात हुई थी। आशीष ने पेंशन भत्ते में सहायता का आश्वासन देकर पीड़िता का विश्वास जीता और उसके करीब आ गया। सूत्रों ने बताया कि इसी दौरान उसने शादी का लालच देकर पीड़िता से शारीरिक संबंध बनाये और काम का बहाना बनाकर सात लाख रुपये ऐंठ लिये। मुकदमे में आरोप लगाया गया है कि आशीष ने पीड़िता को धोखे में रखकर इसी साल नवंबर में दूसरी युवती से शादी कर ली। इसकी जानकारी मिलने पर पीड़िता ने नगर कोतवाली में आशीष सिंह के खिलाफ तहरीर देकर प्राथमिकी दर्ज कराई। सूत्रों ने बताया कि मामला दर्ज होने के बाद आरोपी आशीष सिंह को गिरफ्तार कर लिया गया है। मामले की जांच की जा रही है।

## जहां था कूड़े का पहाड़ वहां अब प्रेरणा का केंद्र, लखनऊ में राष्ट्र प्रेरणा स्थल के उद्घाटन पर बोले मोदी

लखनऊ। पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी की १०१वीं जयंती के अवसर पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने लखनऊ में 'राष्ट्र प्रेरणा स्थल' का उद्घाटन किया। इस मौके पर आयोजित एक विशाल जनसभा को संबोधित करते हुए पीएम मोदी ने विपक्षी दलों पर निशाना साधा और भाजपा सरकार की उपलब्धियां गिनाईं। मंच पर उनके साथ उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ भी मौजूद रहे। जनसभा को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री ने अटल बिहारी वाजपेयी, महामना मदन मोहन मालवीय और महाराजा बिजली पासी की जयंती पर उन्हें श्रद्धांजलि दी। उन्होंने दुनिया भर को क्रिसमस की भी शुभकामनाएं दीं। पीएम ने बताया कि जिस ३० एकड़ जमीन पर आज यह भव्य स्मारक खड़ा है, वहां पहले कूड़े का पहाड़ हुआ करता था। उन्होंने इस बदलाव के लिए सीएम योगी और उनकी टीम की सराहना की। पीएम ने कहा कि पिछले एक दशक में करोड़ों भारतीयों ने गरीबी को हराया है। उन्होंने बताया कि

२०१४ से पहले केवल २५ करोड़ लोग सामाजिक सुरक्षा योजनाओं के दायरे में थे, लेकिन आज यह संख्या बढ़कर ६५ करोड़ हो गई है। पीएम मोदी ने कहा कि लंबे समय तक देश में सिर्फ 'गरीबी हटाओ' जैसे नारों को सुशासन मान लिया गया था, लेकिन अटल जी ने इसे जमीन पर उतारा। उन्होंने कहा, 'आज जिस डिजिटल पहचान की चर्चा पूरी दुनिया में है, उसकी नींव अटल जी की सरकार ने ही रखी थी।' पीएम ने कहा कि डॉ. मुखर्जी ने 'दो विधान और दो निशान' का कड़ा विरोध किया था और भाजपा सरकार को अनुच्छेद ३७० की दीवार को गिराने का सौभाग्य मिला। उन्होंने महाराजा सुहेलदेव, भगवान बिरसा मुंडा और महाराजा बिजली पासी के योगदान का जिक्र करते हुए कहा कि भाजपा सरकार उन नायकों को सम्मान दे रही है जिन्हें दशकों तक नजरअंदाज किया गया। यह लखनऊ में स्थित एक ऐसा परिसर है जहां अटल बिहारी वाजपेयी, डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी और पंडित दीनदयाल उपाध्याय की ६५ फीट ऊंची प्रतिमाएं लगाई गई हैं। इसमें एक अत्याधुनिक म्यूजियम भी है जो भारत की सांस्कृतिक और राजनीतिक यात्रा को दर्शाता है।

## सहभोज के बहाने बंद कमरे में मिले 52 ब्राह्मण विधायक

लखनऊ। उत्तर प्रदेश विधानसभा के शीतकालीन सत्र के दौरान, ब्राह्मण समुदाय के विधायकों ने लगभग चार दर्जन विधायकों की उपस्थिति में एक बैठक आयोजित की। बैठक में उपस्थित विधायक रत्नाकर मिश्रा ने बताया कि बैठक का उद्देश्य समुदाय की समस्याओं पर चर्चा करना था। उन्होंने कहा कि इस बैठक का एकमात्र उद्देश्य यह था कि आज हमारा समुदाय बिखर रहा है। पहले तीन पीढ़ियां एक ही छत के नीचे रहती थीं, लेकिन अब जैसे–जैसे हमारे बच्चे पश्चिमी सभ्यता की ओर बढ़ रहे हैं, हमारा समुदाय बिखर रहा है। मिश्रा ने आगे कहा कि हमारा एकमात्र उद्देश्य इन बच्चों को एक दिशा में लाना और सबको एकजुट करना था। आज हमारे माता–पिता वृद्धाश्रम जा रहे हैं, जो हमारे लिए चिंता का विषय है। उन्हें एक छत के नीचे कैसे रखा जाए? इसी उद्देश्य से यह बैठक आयोजित की गई थी। उन्होंने समाज में ब्राह्मणों की भूमिका को समझाते हुए कहा कि मूल्यध्संर्सेति देना ब्राह्मणों का काम है, इसलिए यदि ब्राह्मणों द्वारा मूल्यध्संस्कृति देने के लिए बैठक आयोजित की जा रही है, तो इसमें क्या गलत है? बल्कि, प्रत्येक समुदाय को भारत माता की मुख्यधारा में सबको लाने के लिए बैठक आयोजित करनी चाहिए। मिश्रा ने कहा कि इस बैठक का उद्देश्य राजनीतिक चर्चा करना

नहीं था। उन्होंने आगे कहा कि हमें राजनीतिक विचार–विमर्श की आवश्यकता नहीं है क्योंकि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी की सरकार में माफिया का राज नहीं है और सभी व्यवस्थाएं बेहतर हैं, इसलिए राजनीतिक विचार–विमर्श की कोई जरूरत नहीं थी। मिश्रा ने पार्टी की भागीदारी के बारे में भी स्पष्टीकरण दिया। उन्होंने कहा, "इस बैठक में लगभग चार दर्जन विधायकों ने भाग लिया, इसलिए किस पार्टी के विधायक मौजूद थे, इसकी जानकारी मेरे पास नहीं है। मैं थोड़ा देर से पहुंचा, इसलिए सभी से परिचय नहीं हो सका।" उन्होंने बताया कि अन्य समुदायों ने पहले भी इसी तरह की बैठकें आयोजित की हैं। मिश्रा ने कहा, "इससे पहले ठाकुर समुदाय के विधायकों ने भी अपनी बैठक की थी, जो बहुत अच्छी बात थी। कुर्मी समुदाय के विधायकों ने भी अपनी बैठक की थी, और मेरा मानना घ्है कि अन्य समुदायों को भी अपनी बैठकें करनी चाहिए ताकि समुदाय मुख्यधारा से जुड़ सके।" इस बीच, कुशीनगर से भारतीय जनता पार्टी के विधायक और बैठक के आयोजक पी एन पाठक ने कहा, "कल हमने ब्राह्मण विधायकों की एक बड़ी बैठक की। इस बैठक में किसी अन्य पार्टी का कोई विधायक मौजूद नहीं था। इस बैठक का कोई राजनीतिक उद्देश्य नहीं था।" उन्होंने मीडिया रिपोर्टों को खारिज करते हुए कहा, "मीडिया में तरह–तरह की बातें फैलाई जा रही हैं कि ब्राह्मण नाराज हैं, लेकिन ऐसा कुछ भी सच नहीं है। ब्राह्मण केवल उत्थान और सामाजिक कल्याण की बात कर रहे हैं।"

## युवक की धारदार हथियार से हत्या, शीघ्र गिरफ्तारी के निर्देश

अमेठी। जिले के मुसाफिरखाना क्षेत्र में एक युवक की धारदार हथियार से हमला करके हत्या कर दी गयी। पुलिस सूत्रों ने बुधवार को बताया कि मुसाफिरखाना थाना क्षेत्र के पिंडारा ठाकुर गांव में मंगलवार की शाम रत्नेश कुमार (२३) को उसके गांव के ही छह लोगों ने धारदार हथियार से हमला करके घायल कर दिया। उसे इलाज के लिये सुल्तानपुर के जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां इलाज के दौरान उसकी मृत्यु हो गई। पुलिस अधीक्षक अपर्णा रजत कौशिक ने मृतक के घर जाकर परिजनों से मुलाकात की और आरोपियों की शीघ्र गिरफ्तारी के सम्बन्ध में पुलिस अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिये। उन्होंने बताया कि इस मामले में पिंडारा गांव के ही रहने वाले छह लोगों के खिलाफ हत्या के आरोप में मुकदमा दर्ज किया गया है। आरोपियों को जल्द ही गिरफ्तार कर लिया जाएगा। पुलिस अधीक्षक ने बताया कि शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज कर विधिक कार्यवाही की जा रही है।

# अटल की १०१वीं जयंती पर लखनऊ में 'राष्ट्र प्रेरणा स्थल' का उद्घाटन, च्ड मोदी ने किया महान नायकों को नमन

लखनऊ। पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी की १०१वीं जयंती के अवसर पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बुधवार को लखनऊ में 'राष्ट्र प्रेरणा स्थल' का उद्घाटन किया। यह स्थल भारत के महान दूरदर्शी नेताओं के योगदान और राष्ट्र निर्माण की यात्रा को समर्पित है। इस परिसर में डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी, पंडित दीनदयाल उपाध्याय और अटल बिहारी वाजपेयी की ६५ फीट ऊंची कांस्य प्रतिमाएं स्थापित की गई हैं। ये प्रतिमाएं भारत की राजनीतिक विचारधारा और जनसेवा के प्रति उनके समर्पण का प्रतीक हैं। परिसर में ६८,००० वर्ग फुट में फैला एक अत्याधुनिक म्यूजियम बनाया गया है, जिसकी बनावट 'कमल के फूल' जैसी है। यह म्यूजियम लेटेस्ट डिजिटल और 'इमर्सिव टेक्नोलॉजी' से लैस है, जो आगंतुकों को भारत की विकास यात्रा और इन नेताओं के जीवन का जीवंत अनुभव प्रदान करता है। प्रधानमंत्री ने इस अवसर पर कहा कि राष्ट्र प्रेरणा स्थल आने वाली पीढ़ियों के लिए देशभक्ति और सेवा का एक बड़ा केंद्र बनेगा।

# माफियाओं के सामने नतमस्तक थी पुरानी सरकार, अब तेजी से काम हो रहा : मुख्यमंत्री योगी

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बुधवार को विधानसभा को संबोधित करते हुए कहा कि अगर कोई माफिया जबरन रिहायशी जमीन या सरकारी जमीन पर कब्जा करके म ल या जबरन वसूली का अड्डा बनाता है और उसका इस्तेमाल अनैतिक और अवैध गतिविधियों को अंजाम देने के लिए करता है, तो उनके खिलाफ बुलडोजर का इस्तेमाल किया जाएगा। उन्होंने कहा कि कोई भी इसे रोक नहीं सकता क्योंकि हर व्यक्ति के लिए सुरक्षा का माहौल जरूरी है। उन्होंने आगे कहा कि आज हर व्यक्ति कह सकता है कि उत्तर प्रदेश में बेहतर सुरक्षा माहौल के कारण निवेश आ रहा है। उत्तर प्रदेश विधानसभा के शीतकालीन सत्र को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने समाजवादी पार्टी से आग्रह किया कि वह मुख्य मुद्दे से ध्यान न भटकाए। उन्होंने घटना से जुड़े हालातों पर सवाल उठाते हुए पूछा कि काफिले को क्यों लूटा गया, और स्पष्ट जवाब और जवाबदेही की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने कहा कि किसी राष्ट्र की अर्थव्यवस्था को मजबूत करने के लिए एक स्पष्ट नीति और उसे लागू करने की दृढ़ राजनीतिक इच्छाशक्ति होनी चाहिए। उन्होंने

कहा कि समाजवादी सरकार में अराजकता का तांडव था, अब तेजी से काम हो रहा। अपना हमला जारी रखते हुए उन्होंने कहा कि पुरानी सरकार माफियाओं के सामने नतमस्तक थी। योगी ने कहा कि तभी सार्थक परिणाम प्राप्त किए जा सकते हैं। इस प्रक्रिया के चार आयाम हैं, और यह समझना महत्वपूर्ण है कि सरकार ने इन चारों आयामों पर किस प्रकार कार्य किया हैंचाहे वह किसी व्यक्ति, समाज या संस्था के लिए हो। सभी के लिए सर्वोपरि आवश्यकता सुरक्षा है। एक सुरक्षित वातावरण होना चाहिए, कानून का शासन होना चाहिए, और प्रत्येक व्यक्ति को अपनी सुरक्षा पर भरोसा होना चाहिए। हर बेटी और हर व्यापारी को सुरक्षित महसूस करना चाहिए। ऐसी सुरक्षा सुनिश्चित करना किसी भी सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता होनी चाहिए। उन्होंने यह भी कहा कि २०१७ से पहले उत्तर प्रदेश में डेढ़ एक्सप्रेसवे थे। आज उत्तर प्रदेश में २१ एक्सप्रेसवे हैं, और यदि सभी बाईस पूरे हो जाते हैं, तो अकेले उत्तर प्रदेश में देश के ६०: एक्सप्रेसवे होंगे। देश का सबसे बड़ा रेलवे नेटवर्क वर्तमान में उत्तर प्रदेश में है, जो १६,००० किलोमीटर लंबा है। देश में सबसे अधिक मेट्रो लाइनें उत्तर प्रदेश में हैं। राज्य में देश में सबसे अधिक हवाई अड्डे हैं। २०१७ से पहले उत्तर प्रदेश में बहुत कम हवाई अड्डे थे। उनमें से केवल दो ही चालू थे, और दो आंशिक रूप से चालू थे।

# ६९वीं राष्ट्रीय विद्यालयीय हॉकी प्रतियोगिता का हुआ आयोजन

लखनऊ। धमाकेदार प्रदर्शन करते हुए उत्तर प्रदेश स्कूल हॉकी टीम (अंडर–१४) ने ६९वीं राष्ट्रीय विद्यालयीय ह की प्रतियोगिता का खिताब जीत लिया है। उत्तर प्रदेश ने यह उपलब्धि पूरे दस साल बाद हासिल की है। इससे पहले वर्ष २०१५ में यूपी की स्कूली टीम राष्ट्रीय स्तर पर चौंपियन बनी थी। अंडर–१४ बालक वर्ग का फाइनल मुकाबला शनिवार को मध य प्रदेश के टीकमगढ़ में खेला गया। बेहद रोमांचक रहे इस फाइनल में उत्तर प्रदेश ने मजबूत प्रतिद्वंद्वी पंजाब को २–१ से पराजित कर चौंपियन बनने में सफलता हासिल की। फाइनल मुकाबले में उत्तर प्रदेश की ओर से गुरु गोबिंद सिंह स्पोर्ट्स क लेज के छात्र मो. दानिश और विवेक तिवारी ने एक–एक महत्वपूर्ण गोल दागकर टीम की जीत सुनिश्चित की। शानदार खेल और मजबूत रणनीति के दम पर यूपी टीम ने पूरे टूर्नामेंट में दमदार प्रदर्शन किया। इस ऐतिहासिक जीत के बाद लखनऊ स्थित गुरु गोबिंद सिंह स्पोर्ट्स क लेज में खुशी की लहर दौड़ गई। क लेज के कुल छह खिलाड़ी उत्तर प्रदेश टीम का हिस्सा रहे, जिनमें गोलकीपर अमरजीत तिवारी, विवेक कुमार तिवारी, प्रदीप, कृष्णा, आर. खान और मो. दानिश शामिल हैं। सभी खिलाड़ी गुरु गोबिंद सिंह स्पोर्ट्स कॉलेज के छात्र हैं और वहीं नियमित रूप से ह की का प्रशिक्षण ले रहे हैं। खिलाड़ियों और प्रशिक्षकों ने इस जीत को टीम वर्क, कड़ी मेहनत और अनुशासित अभ्यास का परिणाम बताया। दस वर्षों के लंबे इंतजार के बाद मिली यह सफलता न सिर्फ प्रदेश को गौरवान्वित करती है, बल्कि प्रदेश में स्कूली ह की के उज्ज्वल भविष्य की उम्मीद भी जगाती है।

# आम नागरिक बैनर तले लव जिहाद को लेकर राजधानी में जबरदस्त विरोध प्रदर्शन

लखनऊ। केजीएमयू में सामने आए कथित लव जिहाद प्रकरण को लेकर शनिवार को राजधानी में जबरदस्त विरोध प्रदर्शन देखने को मिला। आम नागरिक के बैनर तले विभिन्न अस्पतालों के चिकित्सक, मेडिकल छात्र, अधिवक्ता, सामाजिक कार्यकर्ता और एसिड सर्वाइवर्स ने कैंडल मार्च निकालकर विरोध दर्ज कराया। इस दौरान प्रदर्शनकारियों ने आरोपी डॉक्टर रमीज और केजीएमयू प्रशासन के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। १०६० चौराहे पर हुए प्रदर्शन के दौरान "केजीएमयू में लव जिहाद शर्मनाक है", "केजीएमयू प्रशासन मुर्दाबाद" और "केजीएमयू में लव जिहाद बंद करो" जैसे नारे लगाए गए। प्रदर्शनकारियों का आरोप था कि मामला सामने आने के बावजूद विश्वविद्यालय प्रशासन की ओर से अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं की गई है। प्रदर्शन में शामिल डॉक्टर अभिषेक पांडे ने कहा कि केजीएमयू में लव जिहाद की घटना पूरे समाज के सामने आ चुकी है। इसके बावजूद पहले हुए बड़े प्रदर्शन के बाद भी प्रशासन ने कोई प्रभावी कदम नहीं उठाया। उन्होंने कहा कि हम केजीएमयू प्रशासन को स्पष्ट संदेश देना चाहते हैं कि आरोपी डॉक्टर रमीज के खिलाफ कार्रवाई हो और पीड़िता को न्याय मिले। उन्होंने जांच के लिए गठित कमेटी पर सवाल उठाते हुए कहा कि यह केवल खानापूर्ति के लिए बनाई गई है। एक महिला डॉक्टर से जुड़े संवेदनशील मामले में गठित विशाखा कमेटी लाचार नजर आ रही है और इसमें ऐसे लोग शामिल हैं, जिन पर भरोसा नहीं किया जा सकता। उन्होंने मांग की कि वर्तमान कमेटी को भंग कर पुलिस प्रशासन, महिला चिकित्सकों, अधिवक्ताओं और स्वतंत्र सदस्यों को शामिल करते हुए नई जांच कमेटी गठित की जाए। प्रदर्शन में शामिल डॉक्टर तावि‍षि मिश्रा ने आरोप लगाया कि इस पूरे प्रकरण में केजीएमयू प्रशासन की गंभीर लापरवाही उजागर हुई है। उन्होंने कहा कि महिला से जुड़े मामले की जांच के लिए बनाई गई कमेटी में किसी महिला सदस्य का न होना प्रशासन की संवेदनहीनता को दर्शाता है। साथ ही उन्होंने यह भी कहा कि पीड़िता के सहयोगी मेडिकल छात्रों को डराया जा रहा है, जिससे वे खुलकर सामने नहीं आ पा रहे हैं। डॉ. तावि‍षि ने बताया कि पीजी छात्रों पर फेल करने का दबाव बनाया जा रहा है, जिससे कई अहम तथ्य सामने नहीं आ पा रहे हैं, लेकिन छात्र अंदरूनी दबाव महसूस कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि यह मामला केवल एक ड क्टर का नहीं, बल्कि इंसानियत और न्याय का है और समाज के विभिन्न वर्गों का इस आंदोलन से जुड़ना दर्शाता है कि लोग पीड़िता को न्याय दिलाने के लिए एकजुट हैं।

# अखिलेश और मायावती ने क्रिसमस पर्व पर बधाई और शुभकामना दी

लखनऊ। समाजवादी पार्टी (सपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष और उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव और बहुजन समाज पार्टी (बसपा) की प्रमुख और पूर्व मुख्यमंत्री मायावती ने बृहस्पतिवार को क्रिसमस पर्व की हार्दिक बधाई एवं शुभकामना दी है। सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने अपने आधि काारिक "एक्स" खाते पर क्रिसमस की बधाई का एक पोस्टर साझा किया जिसमें सांता क्लॉज को साइकिल (सपा का चुनाव चिह्न) चलाते दिखाया गया है। इस पोस्ट

में यादव ने लिखा "यही दुआ 'प्रेम, दया और अपनापन' तोहफा बनकर आए हर घर–आँगन!" वहीं बसपा सुप्रीमो मायावती ने एक्स पर अपने पोस्ट में लिखा "देश व दुनिया भर में रहने वाले भारतीय लोगों, खघसकर ईसाई समुदाय के सभी लोगों को क्रिसमस त्योहार की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनायें। "उन्होंने कहा "आपसी प्यार और करुणा का संदेश देने वाले इस पर्व के पावन अवसर पर समाज में शान्ति, सदभाव, समानता और सेवा के मूल्यों को मजबूती से जारी रखने का संकल्प भी जरूरी। हैप्पी क्रिसमस।

# धीरेन्द्र शास्त्री का चेतावनीः खतरे में बांग्लादेश में हिंदुओं की पहचान, तुरंत एक्शन ले भारत

नई दिल्ली। बांग्लादेश में हिंदू समुदाय के खिलाफ हिंसा की खबरों पर कड़ी कार्रवाई की मांग करते हुए, बागेश्वर धाम सरकार आचार्य धीरेन्द्र शास्त्री ने केंद्र सरकार से पड़ोसी देश में अल्पसंख्यकों की सुरक्षा के लिए महत्वपूर्ण कदम उठाने का आग्रह किया। शास्त्री ने जोर देकर कहा कि अगर सरकार इस मामले में कार्रवाई नहीं करती है, तो बांग्लादेश में हिंदुओं की पहचान खतरे में पड़ जाएगी। शास्त्री की ये टिप्पणी बांग्लादेश में जारी हिंसा में अमृत मंडल और दीपू चंद्र दास की हालिया हत्याओं के संदर्भ में आई है। शास्त्री ने एएनआई से कहा कि यह दुर्भाग्यपूर्ण है। भारत सरकार के लिए बांग्लादेश में हिंदुओं के लिए कुछ महत्वपूर्ण कदम उठाना आवश्यक हो गया है। अगर कोई कदम नहीं उठाया गया, तो हिंदुओं की पहचान खतरे में पड़ जाएगी। इसके अलावा, शास्त्री ने यह भी कहा कि अगर बांग्लादेश में हिंदू अल्पसंख्यक सुरक्षित नहीं हैं, तो उन्हें भारत में रहने की जगह दी जानी चाहिए। उन्होंने आगे कहा कि अगर हम अभी उनकी मदद नहीं करते हैं, तो हिंदू एकता का कोई मतलब नहीं रह जाएगा। बांग्लादेश में हिंदुओं की रक्षा की

जानी चाहिए। यहां रहने वाले बांग्लादेशियों के स्थान पर बांग्लादेशी हिंदुओं को भारत में जगह दी जानी चाहिए। इससे पहले बुधवार को, डेली स्टार ने खबर दी कि राजबारी के पांगशा उप–जिले के कालीमोहोर संघ के होसेनडांगा गांव में अमृत मंडल नामक एक हिंदू युवक की जबरन वसूली के आरोप में पीट–पीटकर हत्या कर दी गई। पुलिस को कल रात सूचना मिलते ही वह मौके पर पहुंची और सम्राट को गंभीर हालत में बचाया। मंडल की हत्या बांग्लादेश के मयमनसिंह जिले में हिंदू युवक दीपू चंद्र दास की भीड़ द्वारा पीट–पीटकर हत्या और जलाए जाने के कुछ दिनों बाद हुई है। कपड़ा कारखाने में काम करने वाले दीपू चंद्र दास को कथित ईशनिंदा के आरोप में भीड़ ने पीट–पीटकर मार डाला और १८ दिसंबर को उनके शव को लटकाकर आग लगा दी। द डेली स्टार ने मयमनसिंह के अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक अब्दुल्ला अल मामून के हवाले से बताया कि कारखाने के एक अधिकारी ने भालुका पुलिस को सूचित किया कि श्रमिकों के एक समूह ने दीपू पर कारखाने के अंदर हमला किया और उन पर फेसबुक पोस्ट में पैगंबर मोहम्मद (सल्लल्लाहु अलैहि वसल्लम) के बारे में अपमानजनक टिप्पणी करने का आरोप लगाया।

# बांग्लादेश में हिंसा के बाद बंगाल में 'महाभारत'! BJP&TMC में जुबानी जंग तेज, मिथुन का बड़ा आरोप

नई दिल्ली। १२ दिसंबर को रिक्शा में यात्रा कर रहे शरीफ उस्मान हादी की गोली मारकर हत्या के बाद बांग्लादेश में अल्पसंख्यक हिंदू समुदाय पर हो रहे हमलों के बीच, भारत में भाजपा और टीएमसी के बीच जुबानी जंग छिड़ गई है। पश्चिम बंगाल भाजपा के

आधिकारिक हैंडल पर एक वीडियो पोस्ट किया गया, जिसमें भाजपा नेता मिथुन चक्रवर्ती ने कहा कि पार्टी टीएमसी को पश्चिम बंगाल को पश्चिम बांग्लादेश नहीं बनने देगी। कोलकाता में बांग्लादेश के उप उच्चायोग परिसर के पास पश्चिम बंगाल पुलिस द्वारा कथित लाठीचार्ज का जिक्र करते हुए चक्रवर्ती ने कहा, 'यह बंगाली हिंदुओं का राज्य है। अगर इसे बांग्लादेश बना दिया गया, तो हम कहां जाएंगे?' चक्रवर्ती ने कहा, "हम टीएमसी को पश्चिम बंगाल को पश्चिम बांग्लादेश नहीं बनाने देंगे! बांग्लादेश में एक बंगाली हिंदू की बेरहमी से पीट–पीटकर हत्या के विरोध में महिलाओं समेत कई बंगाली हिंदुओं ने प्रदर्शन किया, लेकिन पुलिस ने उन पर हमला किया! यह राज्य बंगाली हिंदुओं का है। अगर इसे बांग्लादेश बना दिया गया तो हम कहां जाएंगे? हम अपनी पूरी ताकत से लड़ेंगे! जब तक मेरी रगों में खून है, मैं हार नहीं मानूंगा!" इन आरोपों का जवाब देते हुए, टीएमसी ने विभिन्न राज्यों में बंगाली समुदाय पर हुए हमलों का जिक्र किया और भाजपा पर पश्चिम बंगाल में जनमत को प्रभावित करने के लिए बांग्लादेश की स्थिति का दुरुपयोग करने का आरोप लगाया। टीएमसी ने कहा कि जो लोग 'पश्चिम बांग्लादेश' चिल्ला रहे हैं, उन्हें पहले एक सवाल का जवाब देना चाहिएः पूरे भारत में भाजपा शासन के तहत बंगालियों को क्यों पीटा और लिंच किया जा रहा है? आप बांग्लादेश का इस्तेमाल बंगाल में लोगों के दिमाग में जहर घोलने के लिए कर रहे हैं, जबकि भाजपा शासित राज्य बिना किसी सजा के बंगालियों का खून बहा रहे हैं। आप ऑनलाइन डर फैलाने वाले अभियान चला रहे हैं, वहीं भाजपा शासित ओडिशा में २२ वर्षीय बंगाली मजदूर ज्यूएल राणा को पीट–पीटकर मार डाला गया। आप बंगाल पर घुसपैठ का आरोप लगाते हैं, फिर भी आपकी अपनी सरकारें भारतीय बंगालियों को विदेशी करार देती हैं, उन्हें हिरासत में लेती हैं, उन पर हमला करती हैं और उनके हत्यारों को छोड़ देती हैं। टीएमसी ने आगे कहा कि ज्यूएल राणा के लिए आपकी रैलियां कहां हैं? आपके नियंत्रण वाले राज्यों में अपराधियों की तरह शिकार किए जा रहे बंगाली मजदूरों के लिए आपका गुस्सा कहां है? जब आपके अधीन पुलिस नागरिकों की बजाय भीड़ की रक्षा करती है तो आपका साहस कहां है? आप 'बांग्लादेश' चिल्लाते हैं क्योंकि आप यह नहीं कह सकतेरू ओडिशा, असम, हरियाणा, दिल्ली, वे स्थान जहां भाजपा शासन ने बंगाली पहचान को बोझ बना दिया है। हम आपके झूठ का पर्दाफाश करेंगे। हम आपकी हिंसा का नाम लेंगे। और हम इस देश में कहीं भी हर बंगाली को संदिग्ध बनाने के आपके प्रयास का विरोध करेंगे।

# बांग्लादेश में सांप्रदायिक हिंसा भड़की, दो हिंदुओं की भीड़ ने ली जान, भारत में रोष

नई दिल्ली। बांग्लादेश इन दिनों गहरे राजनीतिक और सामाजिक उथल–पुथल के दौर से गुजर रहा है। सत्ता परिवर्तन के बाद हालात संभलने के बजाय और ज्यादा बिगड़ते नजर आ रहे हैं। पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना के सत्ता से बाहर होने के बाद बने अंतरिम ढांचे के सामने कानून–व्यवस्था बड़ी चुनौती बन गई है। बता दें कि बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी) के कार्यकारी अध्यक्ष तारिक रहमान १७ साल के निर्वासन के बाद देश लौटे हैं। उनकी वापसी को आगामी आम चुनावों से पहले बड़ा राजनीतिक घटनाक्रम माना जा रहा है। हालांकि, यह वापसी ऐसे समय हुई है जब देश में हिंसा, विरोध प्रदर्शन और अल्पसंख्यकों पर हमलों की घटनाएं लगातार सामने आ रही हैं। मौजूद जानकारी के अनुसार, हाल के दिनों में हिंदू समुदाय के दो लोगों दीपु चंद्र दास और अमृत मंडल की भीड़ द्वारा हत्या कर दी गई। इन घटनाओं के बाद भारत में भी विरोध तेज हो गया है। विश्व हिंदू परिषद और बजरंग दल जैसे संगठनों ने कई शहरों में प्रदर्शन किए हैं, जबकि राजनीतिक दलों ने केंद्र सरकार से कड़ा रुख अपनाने की मांग की है। गौरतलब है कि बांग्लादेश में कानून व्यवस्था को लेकर अंतरराष्ट्रीय चिंता भी बढ़ी है। संयुक्त राष्ट्र ने वहां हो रही हिंसा पर चिंता जताते हुए निष्पक्ष और शांतिपूर्ण चुनाव सुनिश्चित करने की अपील की है। वहीं भारत के विदेश मंत्रालय ने भी अल्पसंख्यकों पर हमलों को लेकर चिंता जाहिर की है और हालात पर नजर बनाए रखने की बात कही है। इधर, ढाका और अन्य शहरों में विरोध प्रदर्शन लगातार जारी हैं। छात्र संगठन, सामाजिक समूह और विभिन्न मंच सड़कों पर उतरकर न्याय की मांग कर रहे हैं। कई जगहों पर तोड़फोड़ और झड़पों की भी खबरें हैं। पुलिस ने कई मामलों में गिरफ्तारियां की हैं, लेकिन तनाव पूरी तरह कम नहीं हुआ है। राजनीतिक जानकारों का मानना है कि तारिक रहमान की वापसी ने बीएनपी समर्थकों में उत्साह भरा है, लेकिन इससे सियासी ध्रुवीकरण भी तेज हुआ है। आगामी चुनावों से पहले हालात किस दिशा में जाएंगे, इस पर पूरे क्षेत्र की नजर बनी हुई है। फिलहाल बांग्लादेश एक ऐसे मोड़ पर खड़ा है, जहां स्थिरता, सुरक्षा और लोकतांत्रिक प्रक्रिया को लेकर गंभीर सवाल खड़े हो रहे हैं और आने वाले दिन देश के भविष्य की दिशा तय कर सकते हैं।

# मोहन भागवत बोलेः भारत को सिर्फ महाशक्ति नहीं, 'विश्व गुरु' बनने का समय आया

नई दिल्ली। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के प्रमुख मोहन भगवत ने शुक्रवार को तिरुपति स्थित राष्ट्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय में भारतीय विज्ञान सम्मेलन (बीवीएस) के उद्घाटन सत्र में भाग लिया और भारत के लिए अंधविश्वासों से उबरने, क्षेत्रीय भाषाओं में ज्ञान को बढ़ावा देने और विकास में संतुलन बनाए रखने की आवश्यकता पर बल दिया। आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री नारा चंद्रबाबू नायडू भी इस कार्यक्रम में उपस्थित थे। कार्यक्रम में बोलते हुए भगवत ने कहा कि हमें यह सुनिश्चित करना होगा कि लोग पुराने अंधविश्वासों से बाहर निकलें, और यह बात उन लोगों पर भी लागू होती है जो नए अंधविश्वासों में फंसे हुए हैं। हमारे प्राचीन मंदिरों की वास्तुकला ऐसी है कि वे अनेक आपदाओं से बचे रहे। हम पिछले दस हजार वर्षों से पारंपरिक तरीकों से खेती करते आ रहे हैं और मिट्टी आज भी वैसी ही बनी हुई है। आरएसएस प्रमुख ने जोर देकर कहा कि भारत को

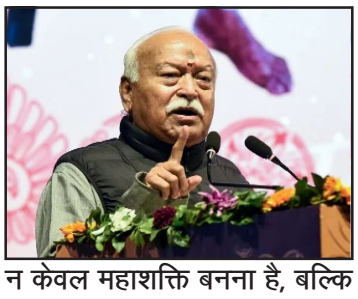

न केवल महाशक्ति बनना है, बल्कि विश्व गुरु भी बनना है। उन्होंने आगे कहा कि लेकिन अब, उत्पादन बढ़ाने की आवश्यकता के कारण, पंजाब से जयपुर तक श्कैंसर ट्रेनश चल रही है। भारत का विकास होना तय है क्योंकि यह समय की मांग है। लेकिन भारत को न केवल महाशक्ति बनना है, बल्कि विश्व गुरु भी बनना है। शिक्षा और वैज्ञानिक जागरूकता के महत्व पर बोलते हुए भागवत ने कहा, "हमें यह सुनिश्चित करना होगा कि ज्ञान सभी तक पहुंचे। अपनी मातृभाषा में सीखना बहुत प्रभावशाली होता है। विज्ञान का ज्ञान भारत की विभिन्न भाषाओं में आम आदमी तक पहुंचाया जाना चाहिए।" आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री की विकास संबंधी प्रशंसा करते हुए भागवत ने यह भी कहा, 'मुख्यमंत्री (एन चंद्रबाबू नायडू) ने जो कहा है वह महत्वपूर्ण है, विकास ऐसा नहीं होना चाहिए जिससे समाज में दो अलग–अलग वर्ग बन जाएं।'

# दुनिया का सबसे बड़ा डिजिटल अभ्यासः जनगणना २०२७ के फेस-१ का पूर्व परीक्षण हुआ पूरा, अप्रैल २०२६ से शुरू होगा काम

नई दिल्ली। भारत की जनगणना २०२७ के पहले चरण के शुभारंभ में तीन महीने से भी कम समय बचा है, ऐसे में सरकार ने इस कार्य के लिए विस्तृत तैयारियां शुरू कर दी हैं, जिसे अधिकारी विश्व के सबसे बड़े प्रशासनिक अभ्यासों में से एक बता रहे हैं। अप्रैल २०२६ में शुरू होने वाली गृह सूची और आवास जनगणना के लिए रूपरेखा को अंतिम रूप देने हेतु उप–जिला, जिला और राज्य स्तर पर हितधारकों के साथ व्यापक चर्चाएं की गई हैं। इस महीने की शुरुआत में पहले चरण के पूर्व–परीक्षण अभ्यास के सफल समापन के बाद तैयारियों में तेजी आई है। भारत के रजिस्ट्रार जनरल और जनगणना आयुक्त मृत्युंजय कुमार नारायण ने सभी हितधारकों के प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि यह भारत की पहली डिजिटल जनगणना की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। समाचार एजेंसी एएनआई ने सरकारी अधिकारियों के हवाले से बताया कि चर्चा में लाखों फील्ड स्टाफ की तैनाती पर बात हुई, जो हर घर का दौरा करेंगे, डेटा संग्रह के लिए मोबाइल एप्लिकेशन का उपयोग और इस विशाल डिजिटल अभियान के लिए आवश्यक कई सुरक्षा उपायों पर भी विचार किया गया। योजना में अप्रैल से सितंबर २०२६ के बीच निर्धारित पहले चरण के सुचारू संचालन के लिए उप–जिला, जिला और राज्य स्तर पर जनगणना अधिकारियों की स्तरीय तैनाती भी शामिल है। गौरतलब है कि जनगणना २०२७ दो चरणों में संपन्न की जाएगी। पहला चरण, गृह सूचीकरण और आवास जनगणना, अप्रैल से सितंबर २०२६ तक चलेगा। दूसरा चरण, जनसंख्या गणना, फरवरी २०२७ में आयोजित किया जाएगा। हालांकि, लद्दाख, जम्मू और कश्मीर के बर्फ से ढके क्षेत्रों, हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड में जनसंख्या गणना सितंबर २०२६ में होगी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में केंद्रीय मंत्रिमंडल ने १२ दिसंबर को ११,७१८.२४ करोड़ रुपये की लागत से जनगणना २०२७ के प्रस्ताव को मंजूरी दी। राजनीतिक मामलों की कैबिनेट समिति द्वारा पहले से लिए गए निर्णय के अनुसार, आगामी जनगणना में जाति गणना भी शामिल होगी। जनगणना २०२७ भारत की १६वीं जनगणना और स्वतंत्रता के बाद आठवीं जनगणना है। यह आवास की स्थिति, सुविधाओं, जनसांख्यिकी, धर्म, अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, भाषाओं, साक्षरता, आर्थिक गतिविधि, प्रवासन और प्रजनन दर पर विस्तृत आंकड़ों का प्राथमिक स्रोत है। यह प्रक्रिया जनगणना अधिनियम, १९४८ और जनगणना नियम, १९६० द्वारा संचालित होती है। जनगणना में लगभग ३० लाख फील्ड वर्कर काम करेंगे और १.०२ करोड़ से अधिक मानव–दिवस का रोजगार सृजित होगा। लगभग १८,६०० तकनीकी कर्मी स्थानीय स्तर पर ५५० दिनों तक डिजिटल डेटा प्रबंधन और निगरानी से संबंधित कार्यों में सहयोग करेंगे। इस व्यापक तकनीकी भागीदारी से संबंधित कर्मियों के लिए भविष्य में रोजगार के बेहतर अवसर मिलने की उम्मीद है। जनगणना करने वाले, जिनमें अधिकतर सरकारी स्कूल शिक्षक हैं, अपने नियमित कर्तव्यों के अतिरिक्त फील्ड विजिट भी करेंगे। इस कार्य में सहयोग के लिए उप–जिला, जिला और राज्य स्तर पर अन्य पदाधिकारियों की नियुक्ति की जाएगी।

# सुरक्षा का नया अध्यायः पहली बार भारत में हथियारों का डेटाबेस, NIA की चौकसी से थमेंगे अपराध और उग्रवाद

नई दिल्ली। भारत में संगठित अपराध, आतंकवाद और उग्रवाद के खिलाफ लड़ाई को मजबूत करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए, शुक्रवार को भारत में पहली बार हथियारों का डेटाबेस, 'खोए, लूटे और बरामद हथियार', ल न्च किया गया। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने गृह मंत्रालय के अधीन भारत की केंद्रीय आतंकवाद विरोधी एजेंसी राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) द्वारा तैयार किए गए इस डेटाबेस का शुभारंभ किया। केंद्रीय गृह मंत्री ने शुक्रवार को राष्ट्रीय सशस्त्र बलों (एनआईए) द्वारा आयोजित दो दिवसीय वार्षिक कार्यक्रम 'आतंकवाद विरोधी सम्मेलन–२०२५' के उद्घाटन सत्र के दौरान इस डेटाबेस का औपचारिक रूप से राष्ट्र को समर्पित किया। नए विकसित डेटाबेस में सरकारी स्वामित्व वाले उन हथियारों का विस्तृत रिकॉर्ड शामिल किया गया है जो राज्य पुलिस बलों और केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बलों (सीएपीएफ) से लूटे गए, चोरी हुए, गुम हुए या बरामद किए गए हैं। इसका उद्देश्य एक केंद्रीकृत भंडार बनाना है जिसे देश भर के सभी राज्य पुलिस बलों, अर्धसैनिक इकाइयों और कानून प्रवर्तन एजेंसियों द्वारा आसानी से उपयोग किया जा सके। अधिकारियों ने बताया कि 'डेटाबेस में सभी राज्यों, केंद्र शासित प्रदेशों, जम्मू और कश्मीर, उत्तर–पूर्व और नक्सल प्रभावित क्षेत्रों से प्राप्त जानकारी शामिल है। ये प्रविष्टियाँ एनआईए द्वारा संचालित एक विशेष रूप से डिजाइन किए गए डिजिटल इंटरफेस पर अपलोड की जाती हैं, जिससे अधिकृत उपयोगकर्ताओं को निर्बाध पहुँच और वास्तविक समय में अपडेट सुनिश्चित होते हैं। एक अधिकारी ने बताया कि इस डेटाबेस से पुलिस और जांच एजेंसियों को हथियारों के स्रोत, आवागमन और बरामदगी के पैटर्न का पता लगाने में मदद मिलेगी, जिससे आपराधिक और आतंकवाद से संबंधित जांचों की

दक्षता में वृद्धि होगी। इस प्रकार के हथियारों से संबंधित डेटा को केंद्रीत करके, अधिकारी न केवल खोए हुए हथियारों की निगरानी और बरामदगी कर सकते हैं, बल्कि आतंकवाद और विद्रोह के खिलाफ निवारक तंत्र को भी मजबूत कर सकते हैं। 'खोए, लूटे गए और बरामद आग्नेयास्त्र' डेटाबेस का शुभारंभ एनआईए और केंद्रीय गृह मंत्रालय की कानून प्रवर्तन उपकरणों के आधुनिकीकरण, राज्यों के बीच समन्वय में सुधार और खुफिया जानकारी जुटाने में प्रौद्योगिकी के उपयोग की व्यापक रणनीति का हिस्सा है। कानून प्रवर्तन एजेंसियों के अधिकारियों का मानना है कि यह डेटाबेस, संगठित आपराधिक नेटवर्क पर नजर रखने के चल रहे प्रयासों के साथ मिलकर, एक सुरक्षित भारत की दिशा में एक बड़ा कदम है।

# सरकार बेबस या इरादे की कमी? अरावली पहाड़ियों के विवाद पर सचिन पालयट ने साधा निशाना

नई दिल्ली। अरावली पहाड़ियों को लेकर चल रहे विवाद के बीच, कांग्रेस नेता सचिन पायलट ने शुक्रवार को सरकार पर पारिस्थितिक रूप से संवेदनशील पहाड़ियों की रक्षा करने में विफल रहने का आरोप लगाया और सरकार अपनी नाक के नीचे हो रहे अवैध खनन को रोकने के लिए क्या कर रही है? उन्होंने कहा कि मुझे लगता है कि सरकार बेबस है, या फिर उनके इरादे में कोई कमी है... अब तक सरकार ने परिभाषा को फिर से परिभाषित करके इस मुद्दे को सुलझाने के लिए सर्वोच्च न्यायालय का रुख नहीं किया है... यह दो इंजनों वाली सरकार नहीं बल्कि चार इंजनों वाली सरकार है, और ये चारों इंजन अरावली पर्वत श्रृंखला को नष्ट करने का तरीका खोजने में लगे हैं। चेतावनी दी कि निष्क्रियता से अपरिवर्तनीय पर्यावरणीय क्षति हो सकती है। जयपुर में पत्रकारों से बात करते हुए सचिन पायलट ने कहाकि आज पूरे भारत में लोग इस पर चर्चा कर रहे हैं और इस बात को लेकर बेहद चिंतित हैं कि कौन जानबूझकर उस पर्वत श्रृंखला को खतरे में डाल रहा है जो अनादिकाल से लाखों लोगों के लिए सुरक्षा कवच का काम करती रही है। हाल ही में, अदालत ने सरकार की परिभाषा को स्वीकार कर लिया है... अरावली क्षेत्र का ९०: से अधिक हिस्सा इस परिभाषा के दायरे से बाहर हो जाएगा और असुरक्षित हो जाएगा।

इससे पहले, पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय ने हरियाणा, राजस्थान और गुजरात सरकार के मुख्य सचिव को पत्र लिखकर सर्वोच्च न्यायालय के २० नवंबर, २०२५ के फैसले के अनुपालन में अरावली पहाड़ियों में नए खनन पट्टों के अनुदान पर प्रतिबंध लगाने और चल रही खनन गतिविधियों के सख्त विनियमन के संबंध में निर्देश दिए। यह फैसला रिट याचिका (सिविल) संख्या २०२९ १६६५ (टीएन गोदावर्मन थिरुमुलपाद बनाम भारत संघ) के मामले में दिया गया था। मंत्रालय द्वारा जारी आधिकारिक विज्ञप्ति में कहा गया है कि सर्वोच्च न्यायालय ने अपने फैसले में निर्देश दिया है कि संपूर्ण अरावली पहाड़ी श्रृंखला के लिए सतत खनन प्रबंधन योजना (एमपीएसएम) को अंतिम रूप दिए जाने तक कोई भी नया खनन पट्टा जारी नहीं किया जाएगा।

# कुलदीप सेंगर की जमानत पर बवाल, महिलाएं बोलीं– यह अन्याय है, न्याय चाहिए

उन्नाव। उन्नाव बलात्कार मामले में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) से निष्कासित नेता कुलदीप सिंह सेंगर को सशर्त जमानत दिए जाने के दिल्ली उच्च न्यायालय के फैसले को लेकर शुक्रवार को लोगों ने अदालत के बाहर विरोध प्रदर्शन किया। प्रदर्शनकारी अदालत परिसर के पास जमा हुए और जमानत आदेश के विरोध में नारे लगाते हुए अपनी आवाज उठाई। ये विरोध प्रदर्शन उन्नाव बलात्कार पीड़िता और उसके परिवार द्वारा सेंगर की जेल की सजा को निलंबित किए जाने पर व्यक्त की गई गंभीर चिंताओं के बीच हो रहे हैं। प्रदर्शनकारियों, जिनमें से अधिकांश महिलाएं थीं, ने बड़ी संख्या में इकट्ठा होकर सेंगर की सजा निलंबित करने के फैसले पर सवाल उठाते हुए नारे लगाए। पुलिस कर्मियों को भारी संख्या में तैनात किया गया था और प्रदर्शनकारियों से शांति बनाए रखने का आग्रह किया गया था क्योंकि इलाके में कानून के तहत प्रतिबंध लागू थे। सभा को संबोधित करते हुए महिला कार्यकर्ता योगिता भयाना ने कहा कि यह विरोध प्रदर्शन उनके द्वारा वर्णित घोर अन्याय के खिलाफ एक शांतिपूर्ण अपील है। उन्होंने कहा कि आज हम उच्च न्यायालय में शांतिपूर्वक अपील करने आए हैं कि हमारी बेटी के साथ हुए अन्याय को रद्द किया जाए और हमारी याचिका पर सुनवाई की जाए। अगर हमें न्याय नहीं मिला, तो हम विरोध करेंगे और यह हमारा अधिकार है। कांग्रेस नेता मुमताज पटेल ने भी इस आदेश की आलोचना करते हुए इसे एक खतरनाक मिसाल बताया। उन्होंने कहा, "यह एक बड़ा झटका है। जिस तरह से उच्च न्यायालय ने एक तकनीकी खामी के आधार पर सेंगर को छूट दी है, उससे न केवल पीड़ित परिवार बल्कि पूरे देश की महिलाओं का विश्वास हिल जाएगा।" पीड़िता की मां ने भावुक होकर जमानत याचिका को सिरे से खारिज कर दिया और सुप्रीम कोर्ट जाने की योजना की घोषणा की। उन्होंने कहा, "उनकी जमानत याचिका खारिज होनी चाहिए। हम सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाएंगे। हमें हाई कोर्ट पर से भरोसा उठ गया है। अगर हमें वहां न्याय नहीं मिला, तो हम दूसरे देश चले जाएंगे।" उन्होंने अपने पति की हिरासत में हुई मौत के मामले में कड़ी सजा की भी मांग की। हाल ही में, दिल्ली हाई कोर्ट ने २०१७ के उन्नाव बलात्कार मामले में कुलदीप सिंह सेंगर की सजा निलंबित कर दी है। सेंगर को दिल्ली की सीबीआई अदालत ने नाबालिग से बलात्कार के लिए आजीवन कारावास की सजा सुनाई थी। उन्होंने हाई कोर्ट में अपनी सजा को चुनौती दी है, जहां उनकी अपील फिलहाल लंबित है।

# वीर बाल दिवस पर बोले प्रधानमंत्री मोदी, साहिबजादों ने धार्मिक कट्टरता-आतंकवाद को जड़ से मिटाया

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को वीर साहिबजादों के बलिदान को नमन करते हुए, क्रूर मुगल सल्तनत के विरुद्ध चट्टान की तरह खड़े होकर धार्मिक कट्टरता और आतंक के अस्तित्व को जड़ से उखाड़ फेंकने के उनके साहस और वीरता की सराहना की। वीर बाल दिवस के अवसर पर आयोजित राष्ट्रीय कार्यक्रम को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि वीर साहिबजादों ने, जिन्हें बहुत कम उम्र में मुगल साम्राज्य का सामना करना पड़ा, अत्याचार के विरुद्ध अपने संघर्ष में सभी परिस्थितियों को तोड़ दिया। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि आज राष्ट्र वीर बाल दिवस मना रहा है। आज हम उन वीर साहिबजादों को याद करते हैं जो भारत का गौरव हैं। वे भारत के अदम्य साहस, वीरता और साहस की सर्वोच्च अभिव्यक्ति हैं। उन वीर साहिबजादों ने उम्र और परिस्थितियों की सीमाओं को तोड़ दिया। वे क्रूर मुगल सल्तनत के विरुद्ध चट्टान की तरह खड़े रहे और धार्मिक कट्टरता और आतंक के अस्तित्व को जड़ से उखाड़ फेंका। ऐसे गौरवशाली अतीत वाला राष्ट्र कुछ भी हासिल कर सकता है। २६ दिसंबर, १७०४ को, गुरु गोविंद सिंह जी के छोटे पुत्रों, साहिबजादा जोरावर सिंह और फतेह सिंह को सरहिंद के नवाब वजीर खान के आदेश पर, सम्राट औरंगजेब के शासनकाल में इस्लाम धर्म अपनाने का विरोध करने के कारण, जिंदा ईंटों में चुनवा दिया गया था। उनके दो बड़े पुत्रों, साहिबजादा अजीत सिंह और साहिबजादा जुझार सिंह ने चमकौर के युद्ध में वीरतापूर्वक लड़ते हुए शहादत प्राप्त की। वीर बाल दिवस के महत्व को रेखांकित करते हुए, प्रधानमंत्री मोदी ने लोगों को मुगलों के विरुद्ध खड़े होने के वीर साहिबजादों के उद्देश्य की याद दिलाई। उन्होंने कहा कि वीर बाल दिवस गहरी भावना और श्रद्धा का दिन है। साहिबजादा अजीत

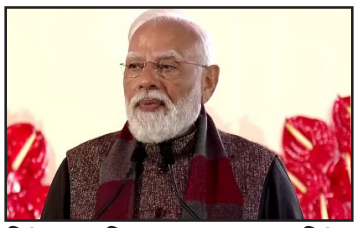

सिंह, साहिबजादा जुझार सिंह, साहिबजादा जोरावर सिंह और साहिबजादा फतेह सिंह को बहुत कम उम्र में ही अपने समय की सबसे शक्तिशाली सत्ता का सामना करना पड़ा था। वह लड़ाई भारत के मूलभूत आदर्शों और धार्मिक कट्टरता के बीच थी। यह सत्य और असत्य की लड़ाई थी। उन्होंने आगे कहा कि उस युद्ध के एक तरफ दसवें गुरु, श्री गुरु गोविंद सिंह जी थे, और दूसरी तरफ औरंगजेब का क्रूर शासन था। हमारे साहिबजादे उस समय युवा थे, लेकिन औरंगजेब और उसकी क्रूरता उनकी उम्र को नहीं समझती थी। प्रधानमंत्री ने आगे कहा कि औरंगजेब की क्रूरता के बावजूद, उसके सेनापति उन चार साहिबजादों में से एक को भी नहीं डिगा सके। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि लेकिन औरंगजेब और उसके सैन्य कमांडर यह भूल गए थे कि हमारे गुरु कोई साधारण व्यक्ति नहीं थे। वे तपस्या और त्याग की साक्षात मूर्ति थे। वीर साहिबजादों को उनसे यह विरासत मिली थी, इसलिए भले ही पूरा मुगल साम्राज्य उनके विरुद्ध खड़ा था, वे उन चार साहिबजादों में से एक को भी नहीं हिला सके। प्रधानमंत्री मोदी ने आगे कहा कि वीर बाल दिवस मनाने की उनकी पहल ने साहसी और प्रतिभाशाली युवाओं के लिए एक मंच तैयार किया है। उन्होंने कहा कि जब भी २६ दिसंबर आता है, मुझे यह जानकर संतोष होता है कि हमने साहिबजादों (गुरु गोविंद सिंह के पुत्रों) की वीरता से प्रेरित होकर 'वीर बाल दिवस' मनाना शुरू कर दिया है। पिछले चार वर्षों में, वीर बाल दिवस की इस नई परंपरा ने साहिबजादों की प्रेरणादायक कहानियों को नई पीढ़ी तक पहुंचाया है। वीर बाल दिवस ने साहसी और प्रतिभाशाली युवाओं के लिए एक मंच भी तैयार किया है। हर साल, देश के लिए विभिन्न क्षेत्रों में उल्लेखनीय उपलब्धियां हासिल करने वाले बच्चों को प्रधानमंत्री के राष्ट्रीय बाल पुरस्कार से सम्मानित किया जाता है।

# विवाद के बाद दुकानदार की गोली मारकर हत्या

बलिया। जिले के रसड़ा कोतवाली क्षेत्र के राघोपुर गांव में कथित रूप से सामान खरीदने को लेकर हुए विवाद के बाद दुकानदार की गोली मारकर हत्या कर दी गई। पुलिस ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। पुलिस के अनुसार घटना के सात घंटे के भीतर एक मुठभेड़ में सभी पांच आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया गया। उसने बताया कि पड़ोसी जिले

गाजीपुर के कासिमाबाद थाना क्षेत्र के बेलसडी गांव के निवासी संतोष सिंह उर्फ बागी (४८) की रसड़ा कोतवाली क्षेत्र के राघोपुर गांव में शराब की दुकान के बगल में चाय की दुकान थी। पुलिस ने बताया कि बृहस्पतिवार रात करीब दस बजे जब वह अपनी दुकान बंद करके घर जा रहे थे तभी कुछ लोगों से सामान खरीदने को लेकर विवाद हो गया और गोली मारकर उनकी हत्या कर दी गई। उसने बताया कि संतोष सिंह के सिर और पेट पर गोली लगी थी। रसड़ा क्षेत्र के पुलिस क्षेत्राधिकारी (सीओ) आलोक गुप्ता ने बताया कि पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। उन्होंने बताया कि इस मामले में मृतक के बेटे आदित्य सिंह की तहरीर पर गाजीपुर जिले के कासिमाबाद थाना क्षेत्र के शेखनपुर गांव के निवासी प्रवीण सिंह और दो अज्ञात व्यक्तियों के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता की संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज किया गया। सीओ ने बताया कि शुक्रवार सुबह लगभग पांच बजे रसड़ा पुलिस की टीम कोतवाली क्षेत्र के मुंडेरा रोड, कटुहरा में आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए जांच कर रही थी। पुलिस टीम द्वारा कुछ संदिग्ध व्यक्तियों की जांच का प्रयास किया गया, तभी आरोपियों ने पुलिस टीम पर गोली चला दी। उन्होंने बताया कि पुलिस ने आत्मरक्षा में जवाबी कार्रवाई की और गाजीपुर जिले के कासिमाबाद थाना क्षेत्र के मडहीं गांव के निवासी मंजीत सिंह उर्फ ओम सिंह (२७), खजुरगांव के निवासी संदीप सिंह उर्फ गोलू सिंह (२३), अतुल सिंह उर्फ बब्बू सिंह (२१), प्रभात सिंह उर्फ बंटी (२२) और प्रवीण सिंह उर्फ गोलू (२७) को गिरफ्तार कर लिया। सीओ ने बताया कि मुठभेड़ के दौरान मंजीत सिंह और संदीप सिंह के बाएं पैर में गोली लगी, जिन्हें जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से तीन मोटरसाइकिल, देसी तमंचा और कारतूस बरामद किए हैं। उन्होंने बताया कि अग्रिम कार्रवाई जारी है।

# अखिलेश यादव ने पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी के पैतृक गांव की उपेक्षा पर उठाये सवाल

लखनऊ। समाजवादी पार्टी (सपा) के अध्यक्ष अखिलेश यादव ने पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी के पैतृक गांव बटेश्वर की कथित उपेक्षा पर सवाल उठाते हुए कहा कि उत्तर प्रदेश सरकार को यह बताना चाहिए कि वाजपेयी से जुड़े इस स्थान की अनदेखी क्यों की जा रही है। यादव ने वाजपेयी की जयंती पर एक्स पर एक पोस्ट में कहा, भारत रत्न पूर्व प्रधानमंत्री स्वर्गीय अटल बिहारी वाजपेयी जी की जंयती पर उन्हें याद करते हुए उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री जी (योगी आदित्यनाथ) का ध्यान इस बात की ओर आकर्षित करना चाहता हूं कि उनके (वाजपेयी के)

पैतृक स्थान बटेश्वर की उपेक्षा क्यों की जा रही है, क्या इसके पीछे कोई खास कारण है? उन्होंने पोस्ट में कहा, भाजपा केवल राजनीतिक लाभ के लिए गगनचुंबी मूर्ती तो बनाती है लेकिन सच में किसी के सम्मान में कोई सच्चा स्मारक नहीं बनवाती है। भाजपा की मूर्तियां भी सियासी होती हैं। पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी का जन्म २५ दिसंबर १६२४ को ग्वालियर में हुआ था। उनका पैतृक गांव बटेश्वर उत्तर प्रदेश के आगरा जिले में स्थित है। उनका निधन १६ अगस्त २०१८ को दिल्ली में हुआ था। सरकार उनकी जयंती को सुशासन दिवस के रूप में मनाती है।

# तेंदुए के हमले में युवती की मौत

बलरामपुर। बलरामपुर जिले के सोहेलवा वन क्षेत्र के भांभर रेंज में बृहस्पतिवार को जंगल में लकड़ी बीनने गई एक युवती की तेंदुए के हमले में मौत हो गई। एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। सोहेलवा वन क्षेत्र के प्रभागीय वनाधिकारी गौरव गर्ग ने बृहस्पतिवार को बताया कि पचपेड़वा क्षेत्र के विश्वपुर कोडर गांव की थारू जनजाति की युवती कमला देवी (२२) गांव की अन्य महिलाओं के साथ जंगल में लकड़ी बीनने गई थी, तभी तेंदुए ने हमला कर दिया। उन्होंने बताया कि हमले के बाद जंगल से भाग कर अन्य महिलाओं ने गांव वालों को सूचना दी जिसके बाद सूचना मिलने पर वन विभाग की टीम ने मौके पर पहुंच कर शव को बरामद कर उसे पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। गर्ग ने बताया कि तेंदुए की तलाश के लिए वन विभाग की तीन टीमें लगाई गई है और घटना स्थल के आस पास ट्रैक कैमरे लगाए जा रहे हैं। जिलाधिकारी विपिन जैन ने बताया कि वन विभाग को पिंजरा लगाकर तेंदुए को पकड़ने के निर्देश दिए गए है। जैन ने बताया कि शव का पोस्टमार्टम कराया जा रहा हैऔर इसकी रिपोर्ट मिलते ही मृतका के परिजनों को आर्थिक सहायता दी जाएगी।

# लॉज में परिजन से वीडियो कॉल पर बात करते हुए युवक ने की खुदकुशी

बाराबंकी। बाराबंकी शहर स्थित छाया चौराहे के निकट एक लॉज में एक युवक ने अपने कमरे में परिजन से वीडियो कॉल पर बात करते समय कथित रूप से फंदा लगाकर खुदकुशी कर ली। पुलिस अधिकारियों ने बृहस्पतिवार को यहां बताया कि मृतक की पहचान २७ वर्षीय शशांक सक्सेना के रूप में हुई है। वह लखनऊ के बाजार खाला थाना क्षेत्र के टिकैत राय तालाब कॉलोनी का निवासी था। बताया जा रहा है कि वह एक निजी कंपनी में क्षेत्र प्रबंधक था और किसी काम के सिलसिले में बाराबंकी आया था। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि सक्सेना ने बुधवार को मधुबन ल ज में कमरा बुक कराया था और उसके बाद उसने परिजनों से वीडियो कॉल पर बातचीत शुरू की और इस दौरान फंदा लगाने की बात कही और देखते ही देखते उसने फंदा लगाना शुरू भी कर दिया। उसके परिजनों ने बाराबंकी पुलिस को सूचना दी, मगर पुलिस के पहुंचने से पहले ही सक्सेना की मौत हो चुकी थी। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिये भेजा है। कोतवाली प्रभारी सुधीर कुमार सिंह ने बताया कि आत्महत्या की वजह का पता लगाने के लिए परिजनों से पूछताछ की जा रही है।

# अखलाक लिंचिंग केस में उत्तर प्रदेश सरकार को बड़ा कानूनी झटका

लखनऊ। ग्रेटर नोएडा के अखलाक लिंचिंग केस में उत्तर प्रदेश सरकार को एक बड़ा कानूनी झटका लगा है। सूरजपुर की जिला अदालत ने लिंचिंग आरोपियों के खिलाफ मुकदमा वापस लेने से जुड़ी योगी सरकार की याचिका को खारिज कर दिया है। जो याचिका मुकदमा वापस लेने के लिए जारी की दायर की गई थी। उसे अदालत ने साफ कर दिया है कि यह मामला बंद नहीं होगा और आरोपियों के खिलाफ ट्रायल जारी रहेगा। यूपी सरकार की ओर से दाखिल की गई केस वापसी की अर्जी पर अदालत ने सुनवाई के बाद तीखी टिप्पणी की। कोर्ट ने अभियोजन पक्ष यानी प्रोसीक्यूशन जो पक्ष है उसको उसकी दलीलों को आध ारहीन और महत्वहीन यानी बेसलेस एंड इर्रेलेवेंट बताया। कहा कि केस वापस लेने के लिए कोई ठोस कानूनी वजह सामने नहीं रखी गई। इस फैसले के साथ ही यह साफ हो गया है कि उत्तर प्रदेश की योगी सरकार की वो कोशिश जिसके जरिए अखलाक लिंचिंग के आरोपियों को राहत दिलाने की बात कही जा रही थी अब कानूनी तौर पर आगे नहीं बढ़ पाएगी। यह याचिका यूपी सरकार ने अक्टूबर २०२५ में ट्रायल कोर्ट में दाखिल की थी। यह फैसला कानूनी और लोकतांत्रिक नजरिये, दोनों ही तरह से महत्वपूर्ण है। यह निर्णय बताता है कि न्याय व्यवस्था भावनाओं के हिसाब से नहीं चलती। सितंबर २०१५ में ग्रेटर नोएडा के बिसाहड़ा में भीड़ ने अखलाक की इस शक में पीट–पीटकर हत्या कर दी थी कि उसके घर में गोमांस है। म ब लिंचिंग की इस वारदात ने तब पूरे देश को झकझोर कर रख दिया था। इस मामले में १८ अभियुक्तों पर अभी केस चल रहा है और

फिलहाल सभी जमानत पर हैं। इस साल अक्टूबर में अचानक से यूपी सरकार ने केस वापस लेने का फैसला ले लिया। यूपी सरकार ने हवाला देते हुए सभी आरोपियों के खिलाफ मामला वापस लेने और नियोजनको संयुक्त निदेशक के अनुमति मांगने के लिए अदालत में याचिका निर्देशों के बाद सहायक जिला सरकारी अधिवक्ता (आपराधिक) द्वारा यह आवेदन दायर किया गया था। कोर्ट के इस फैसले से स्पष्ट हो गया है कि अखलाक हत्याकांड में शामिल सभी आरोपियों के खिलाफ मुकदमा आगे बढ़ेगा और मामले की नियमित सुनवाई होगी। २८ सितंबर २०१५ की रात प्रतिबंधित मांस को लेकर अफवाह फैली और भीड़ ने अखलाक की पीट–पीटकर हत्या कर दी थी। पूरे देश में आक्रोश फैल गया था। अखलाक के बेटे दानिश (२२) को भी गंभीर चोट लगी थी। पुलिस ने जांच के बाद कुल १६ लोगों को आरोपी बनाया था। सभी पर हत्या, दंगा भड़काने और जान से मारने की धमकी देने जैसी गंभीर धाराओं में मामला दर्ज किया गया था। अखलाक पक्ष के अधिवक्ता यूसुफ सैफी ने बताया कि अदालत ने अभियोजन पक्ष की ओर से लगाई गई याचिका को निरस्त कर दिया है। अभियोजन को आगे गवाहों के बयान दर्ज कराने को कहा गया है। अदालत ने पुलिस आयुक्त और डीसीपी को निर्देशित किया कि अगर जरूरत हो तो गवाहों को सुरक्षा दी जाए। इससे पहले इस केस में १२ और १८ दिसंबर को भी सुनवाई हो चुकी थी, लेकिन अभियोजन पक्ष के समय मांगने के कारण फैसला नहीं हो पाया था। सुनवाई के दौरान सीपीएम नेता नेता वृंदा करात भी कोर्ट पहुंची और कहा कि यह न्याय की दिशा में एक बड़ा कदम है। इस फैसले से देश में महत्वपूर्ण संदेश जाएगा। यूपी सरकार ने न्याय की प्रक्रिया को प्रभावित करने की कोशिश की थी। इससे पहले बिलकिस बानो केस में भी ऐसा करने का प्रयास किया गया था।

## गोला के अवैध अस्पताल में प्रसव के दौरान महिला की मौत बच्चा सुरक्षित डॉक्टरों ने शव रेफर किया परिजनों ने लगाए गंभीर आरोप।

देवनाथ मिश्रा, लखीमपुर खीरी। गोला गोकर्णनाथ में एक प्रसूता की डिलीवरी के दौरान मौत हो गई। परिवार ने अस्पताल प्रबंधन पर लापरवाही का आरोप लगाते हुए हंगामा किया। सूचना मिलने पर जब सीएचसी अधीक्षक डॉ. गणेश मौके पर पहुंचे, तो अस्पताल में ताला लगा हुआ था। पीड़ित पक्ष ने इस मामले में कोतवाली में शिकायत दर्ज कराई है। मृतका की पहचान कोटवारा के नौगवा निवासी शिवम की २३ वर्षीय पत्नी रिंकी देवी के रूप में हुई है। डिलीवरी के दौरान उसने एक बेटी को जन्म दिया, जो पूरी तरह सुरक्षित है। परिजनों का आरोप है कि ड क्टरों ने उन्हें लगातार गुमराह किया। मृतका के पति शिवम ने बताया कि शुक्रवार दोपहर वह अपनी पत्नी को सीएचसी लेकर आया था। उनके साथ गांव की आशा बिट्टू देवी भी थीं। सीएचसी में एंट्री होने के बाद आशा ने कहा कि देर हो रही है और उनके जान–पहचान का एक अस्पताल है, जहां सामान्य डिलीवरी हो जाएगी। इसके बाद उन्होंने लखीमपुर जिला अस्पताल का रेफर बनवाया और उन्हें लक्ष्मी मैरिज ल न के सामने स्थित सरला अस्पताल ले जाया गया। शिवम के अनुसार, सरला अस्पताल में डॉक्टरों ने बताया कि ऑपरेशन करना पड़ेगा। इस पर परिवार सहमत हो गया। ऑपरेशन में काफी देर लगाई गई और बच्चे के जन्म के बाद भी पत्नी को काफी देर तक अंदर रखा गया। कुछ देर बाद जब पत्नी को बाहर निकाला गया, तो वह अचेत अवस्था में थी। जब डॉक्टरों से पूछा गया, तो उन्होंने कहा कि मरीज से बात न करें, हालत ठीक नहीं है, लखीमपुर लेकर जाना

होगा। इसके बाद देर शाम एम्बुलेंस से रिंकी देवी को लखीमपुर के माया अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। जब परिजन वापस सरला अस्पताल पहुंचे, तो वहां ताला लगा हुआ था और सभी डॉक्टर फरार हो चुके थे। सीएचसी अधीक्षक डाक्टर गणेश ने बताया कि उनको जानकारी नहीं थी कि कोई अवैध हॉस्पिटल चल रहा है। जब वह रात में मौके पर पहुंचे थे तो सभी भाग चुके थे, शटर में ताला पड़ा था। महिला को रेफर जिला अस्पताल के लिए किया गया था। उन्होंने बताया कि आशा उनको लेकर गयी थी। मामले की जांच की जा रही है।

# भारत सीमा सुरक्षा ने बैठक कर एपीएफ नेपाल को दी नववर्ष की बधाई।

पलिया (खीरी)। भारत नेपाल अंतरराष्ट्रीय सीमा पर सुरक्षा एवं आपसी समन्वय को और अधिक सुदृढ़ करने के उद्देश्य से २७ दिसंबर २०२५ को ३६वीं वाहिनी सशस्त्र सीमा बल के कमांडेंट रवींद्र

कुमार राजेश्वरी के निर्देशन में सी समवाय बनकटी एवं एपीएफ नेपाल (BOP जुगेडा, कैलाली) के साथ संयुक्त गश्त एवं समन्वय बैठक का आयोजन किया गया। संयुक्त बैठक के दौरान सीमा सुरक्षा व्यवस्था, सीमावर्ती क्षेत्रों में आपसी सहयोग, सूचना आदान प्रदान,अवैध ा गतिविधियों पर प्रभावी नियंत्रण तथा सीमा अपराधों की रोकथाम जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर गहन विचार–विमर्श किया गया। दोनों देशों की सीमा सुरक्षा एजेंसियों ने आपसी तालमेल को और अधिक मजबूत करने तथा भविष्य में भी निरंतर समन्वय बनाए रखने पर सहमति व्यक्त की। इस अवसर पर एपीएफ नेपाल की ओर से इंस्पेक्टर बिशेष सिंह कार्की, हेड्ड काड्ड खुम सुहार, हेड्ड काड्ड रेशिम खत्री, हेड्ड कांस्ट शान्ते राम, कांस्टेबल रमेश चौधरी, कांस्टेबल प्रकाश बी.के. एवं कांस्टेबल बुद्धि चौध ारी उपस्थित रहे। वहीं सशस्त्र सीमा बल की ओर से इंस्पेक्टर विनोद खोजा, उप निरीक्षक कुलदीप, सहायक उप निरीक्षक प्रेम कुमार एवं आरक्षी शिवा सहित अन्य अधिकारी एवं जवान मौजूद रहे। संयुक्त कार्यक्रम के अंत में आगामी नववर्ष के अवसर पर एपीएफ नेपाल को हार्दिक शुभकामनाएं दी गईं तथा मिठाई भेंट कर भारत नेपाल के परंपरागत मैत्रीपूर्ण एवं सौहार्दपूर्ण संबंधों को और अधिक प्रगाढ़ किया गया।

## उप निरीक्षक शुभम कुमार की सख्त कार्रवाई से अपराधियों में हड़कंप

खीरी टाउन।खीरी थाना खीरी क्षेत्र में कानून व्यवस्था को सु ढ़ बनाए रखने के लिए थाना प्रभारी निराला तिवारी के नेतृत्व में पुलिस टीम पूरी मुस्तैदी के साथ कार्य कर रही है। इसी क्रम में उप निरीक्षक शुभम कुमार ने अपनी तत्परता, साहस और निष्पक्ष कार्यशैली से प्रभावी कार्रवाई कर अपराधियों के हौसले पस्त किए हैं।सूचना मिलते ही उप निरीक्षक शुभम कुमार पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे, जहां कांस्टेबल अंकित सिंह और कांस्टेबल सतेंद्र ने भी पूरी निष्ठा और जिम्मेदारी के साथ कार्रवाई में अहम भूमिका निभाई। टीम द्वारा साक्ष्य संकलन, सुरक्षा व्यवस्था और विधिसम्मत प्रक्रिया को सुचारु रूप से पूरा किया गया।इस पूरी कार्रवाई में थाना

प्रभारी निराला तिवारी का स्पष्ट मार्गदर्शन और सतत निगरानी बनी रही, जिससे किसी भी स्तर पर लापरवाही की गुंजाइश नहीं छोड़ी गई। टीमवर्क और अनुशासन के चलते स्थिति को तत्काल नियंत्रण में लिया गया।स्थानीय नागरिकों का कहना है कि थाना प्रभारी निराला तिवारी के कार्यकाल में पुलिस की सक्रियता बढ़ी है और उप निरीक्षक शुभम कुमार, कांस्टेबल अंकित सिंह व कांस्टेबल सतेंद्र जैसे जमीनी स्तर पर काम करने वाले पुलिसकर्मियों की वजह से क्षेत्र में कानून का भय अपराधि ायों में साफ दिखाई दे रहा है।प्रशासनिक सूत्रों के अनुसार, पुलिस टीम की यह एकजुटता आगे भी अपराध नियंत्रण में निर्णायक साबित होगी। जनता ने उम्मीद जताई है कि इसी तरह की सख्त और ईमानदार पुलिसिंग से क्षेत्र में शांति और सुरक्षा का माहौल बना रहेगा।

## आगरा में हत्या के २४ साल बाद तीन भाइयों को आजीवन कारावास

आगरा। उत्तर प्रदेश के आगरा जिलेकी एक स्थानीय अदालत ने जिले के फतेहाबाद क्षेत्र में एक युवक की हत्या के करीब २४ साल बाद तीन भाइयों को दोषी ठहराते हुए आजीवन कारावास की सजा सुनाई है। अपर जिला शासकीय अधिवक्ता नरेन्द्र सिंह ने बताया कि अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश नीरज कुमार महाजन ने इन तीनों भाइयों को पालिया गांव निवासी राज बहादुर के बेटे की २३ अप्रैल, २००१ को हत्या करने का दोषी पाया। इस घटना के बाद राज बहादुर ने इन आरोपियों के खिलाफ

फतेहाबाद पुलिस थाने में प्राथमिकी दर्ज कराई थी। राज बहादुर के बेटे की गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। सिंह ने कहा कि अदालत ने करुआ उर्फ राधेश्याम, अरुण कुमार और उमेश कुमार को आजीवन कारावास की सजा सुनाई है और साथ ही इन पर कुल १.२० लाख रुपये का जुर्माना भी लगाया है। इन आरोपियों के खिलाफ दो अप्रैल, २००२ को आरोप तय किए गए थे। अदालत ने लंबी सुनवाई के बाद पोस्टमार्टम रिपोर्ट, शिकायतकर्ता और अन्य गवाहों के बयान के आधार पर यह निर्णय सुनाया।

# यूपी में ठंड से बचाव के लिए योगी सरकार ने सभी जिलों में रैन बसेरा बनाये हैं और कंबल वितरण की व्यवस्था शुरू की

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में शीतलहर और घने कोहरे के मद्देनजर योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व वाली प्रदेश सरकार ने सभी जिलों में रैन बसेरा बनाये हैं और कंबल वितरण की व्यवस्था शुरू कर दी है। शनिवार को जारी एक बयान में यह जानकारी दी गयी। बयान के मुताबिक, प्रदेश सरकार ने स्पष्ट निर्देश दिए कि शीतलहर के दौरान कोई भी जरूरतमंद व्यक्ति ठंड से पीड़ित ना रहे। राज्य सरकार ने जिला प्रशासन, नगर निकाय और संबंधित विभागों को पूरी संवेदनशीलता के साथ राहत कार्यों को संचालित करने के निर्देश दिए हैं। बयान के मुताबिक, प्रदेशभर में अब तक १२४७ रैन बसेरे स्थापित किए जा चुके हैं, जिनमें

६६४६ जरूरतमंद लोग अब तक आश्रय ले चुके हैं। वहीं जिला प्रशासन को निर्देश दिए गए हैं कि रैन बसेरों में साफ–सफाई, गर्म पानी, प्रकाश और सुरक्षा की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। बयान में बताया गया, प्रदेश सरकार द्वारा शीतलहर से बचाव के लिए कंबल वितरण को प्राथमिकता दी गई है और पिछले तीन वर्षों में औसतन १०,६५,८८६ कंबलों की खरीद की गई है। बयान के मुताबिक, कंबल की खरीद पर लगभग ४४.३८ करोड़ रुपये की औसत धनराशि व्यय हुई है। बयान में बताया गया कि ठंड से बचाव के लिए सार्वजनिक स्थलों पर अलाव जलाने की भी व्यापक व्यवस्था की गई है और सभी जिलों को अलाव जलाने के लिए १.७५ करोड़ रुपये की धनराशि आवंटित की गई है।

# बिजली के खंभे पर निकले तार से दुर्घटना की आशंका

लखीमपुर खीरी। राजकीय आयुर्वेदिक अस्पताल राजापुर के पास रहने वाले लोगों को बिजली

खंभे के तार से हादसे की आशंका बनी हुई है।सुधीर वर्मा के मकान से गाँव के अंदर जाने वाले रास्ते पर हर्षवर्धन वर्मा, ऋषिकांत, लल्लन वर्मा,रूबी वर्मा, छोटट्टन कुमार निराला के मकान के पास लगे बिजली पोल पर खंभे के तार ऋषिकांत के मकान में चिपके हुए हैं जिस कारण से बरसात में बिजली के तारों से करेंट फैलने की आशंका बनी हुई है।ग्रामीणों का कहना है कि यदि विभाग बिजली के तार की जगह केबल से बिजली आपूर्ति करे तो दुर्घटना से बचा जा सकता है।ग्रामीणों का कहना है कि खंभे पर तारों को हटाकर केबल डाल दें जिससे बिजली चोरी भी रुक जाएगी और दुर्घटना भी नहीं होगी।

# बिग बॉस १६ के विनर गौरव खन्ना की पत्नी डांस की वजह से हुईं ट्रोल

मुम्बई। बिग बॉस १६ के विनर गौरव खन्ना की पत्नी आकांक्षा चमोला को हाल ही में एक पार्टी में डांस करते हुए उनके वीडियो के वायरल होने के बाद अ नलाइन ट्रोलिंग का सामना करना पड़ा। इस घटना पर सोशल मीडिया पर काफी कमेंट्स आए, जिसके बाद खन्ना को इस विवाद पर सफाई देनी पड़ी। वीडियो में चमोला एक सेलिब्रेशन इवेंट में डांस करती हुई दिखीं, जिसे ऑनलाइन सर्कुलेट किया गया और कई यूजर्स ने इस पर नेगेटिव कमेंट्स किए। ट्रोलिंग चमोला के पार्टी में शामिल होने पर केंद्रित थी, जिसमें अ नलाइन यूजर्स उनके बर्ताव पर सवाल उठा रहे थे। इसी संदर्भ में, गौरव खन्ना ने स्थिति साफ करने और अपनी पत्नी का बचाव करने के लिए आगे आए। सोशल मीडिया पर कई कमेंट्स में चमोला के डांस मूव्स की आलोचना की गई और सवाल उठाया गया कि क्या उनका व्यवहार उस मौके के लिए सही था। कुछ यूजर्स ने पर्सनल कमेंट्स किए, जिससे विवाद और बढ़ गया। हालांकि, कुछ लोग सपोर्ट में भी थे, जिन्हें लगा कि आलोचना बेवजह है और चमोला दोस्तों और परिवार के साथ एक खुशी के पल का आनंद ले रही थीं। हंगामास्टूडियो के साथ एक इंटरव्यू में, गौरव ने इस विवाद पर बात की और कहा, 'सबसे पहले, मैं सभी को बताना चाहता हूं कि जिन लड़कियों के साथ आकांक्षा डांस कर रही थीं, वे मेरी पब्लिसिस्ट की टीम मेंबर्स थीं, जिन्होंने बिग बॉस १६ के घर में मेरे रहने के दौरान बहुत मेहनत की थी। यह उनकी सक्सेस पार्टी थी, और हम उनके सेलिब्रेशन का हिस्सा बनने के लिए वहां गए थे। और क्योंकि मुझे ज्यादा डांस करना पसंद नहीं है, इसलिए मेरी पत्नी आकांक्षा को लगा कि उन्हें उनके साथ शामिल होना चाहिए और उस पल को और खास बनाना चाहिए, क्योंकि यह सबकी जीत थी।' उन्होंने आगे कहा 'उनमें से बहुत से लोग यह भी नहीं जानते कि वह किसके साथ डांस कर रही थी। मैं बस पीछे

खड़ा था और उसे एन्जॉय करने दिया क्योंकि आखिरकार यह मेरी टीम की जीत थी। वे ऐसे लोग थे जिन्होंने मेरी गैरमौजूदगी में मेरे लिए कड़ी मेहनत की थी और वे भी एन्जॉय करने के हकदार हैं। जहां तक ''ट्रोलर्स की बात है, तो मुझे उनसे कोई फर्क नहीं पड़ता क्योंकि मैं समझता हूं कि वे किसी और के फैन हैं। वे भी किसी एजेंडा के साथ काम करते हैं जो इस कपल को नीचे गिराएगा। ताकि हमारा पसंदीदा सेलिब्रिटी बेहतर दिखे। गौरव ने ऑनलाइन ट्रोलिंग को खारिज करते हुए कहा कि वह सोशल मीडिया यूजर्स की बातों पर ध्यान नहीं देते हैं। उन्होंने यह भी बताया कि उनकी पत्नी एक एक्सट्रोवर्ट हैं, जो उन्हें उनकी यह बात बहुत पसंद है और वह उनसे बहुत प्यार करते हैं। कुछ समय तक डेटिंग करने के बाद, गौरव और आकांक्षा ने २४ नवंबर, २०१६ को अपने होमटाउन कानपुर में तीन दिन के शानदार शादी समारोह में शादी कर ली। बिग बॉस १६ का समापन ७ दिसंबर को शानदार तरीके से हुआ, जिसमें गौरव खन्ना विनर बने और ट्रॉफी के साथ कैश प्राइज भी घर ले गए। उन्होंने साथी फाइनलिस्ट फरहाना भट्ट को हराकर यह टाइटल जीता। यह सीजन २४ अगस्त को शुरू हुआ था, और घर में अपने सफर के दौरान, गौरव ज्यादातर एक शांत अ ब्जर्वर के तौर पर देखे गए।

# ऋतिक रोशन का धमाकेदार डांसः कजिन की शादी में बेटों संग 'इश्क तेरा तड़पावे' पर मचाया धमाल

मुम्बई। बॉलीवुड एक्टर ऋतिक रोशन हाल ही में २३ दिसंबर, २०२५ को मुंबई में अपने कजिन ईशान रोशन की शादी में शामिल हुए। वह अपने पिता राकेश रोशन और बेटों, हरेहान और हृदान के साथ–साथ परिवार के अन्य सदस्यों के साथ इवेंट में पहुंचे। शादी की रस्मों का आनंद लेते हुए उनके कई वीडियो अ नलाइन वायरल हो गए हैं। अब वायरल हो रहे क्लिप्स में, ऋतिक अपने बेटों के साथ आते और बारात में शामिल होते दिख रहे हैं, जो वेन्यू की ओर जा रही है। वह अपने बेटों के साथ प पुलर गाने 'इश्क तेरा तड़पावेश पर डांस भी करते हैं। बता दें कि ऋतिक रोशन के कजिन ईशान रोशन ने मुंबई में एक पारंपरिक शादी समारोह में ऐश्वर्या सिंह से शादी की। इसके अलावा, ऋतिक रोशन का हरेहान, हृदान और सबा के साथ मशहूर गाने 'इश्क तेरा तड़पावे' पर डांस करते हुए एक वीडियो भी फैंस का ध्यान खींच रहा है। इस ग्रुप डांस में ऋतिक

की भतीजी सुरानिका और कजिन पश्मीना भी शामिल हुईं। परफॉर्मेंस पर रिएक्शन देते हुए, एक X यूजर ने लिखा, 'ऋतिक रोशन के बच्चों को सारी अच्छी चीजें विरासत में मिली हैं ।९ दूसरे ने लिखा, ष्खुशी का यह एहसास, जब भी मैं इस आदमी को नाचते हुए देखता हूं पिछले २५ सालों से वैसा ही है।' वीडियो में, ऋतिक एथनिक आउटफिट पहने हुए और वेन्यू में एंट्री करते समय पैपराजी के लिए पोज देते हुए दिख रहे हैं। वह ढोल की धुन पर डांस करते और अपने परिवार के साथ शादी की रस्मों का आनंद लेते हुए भी दिख रहे हैं। मंगलवार को, फिल्ममेकर राकेश रोशन ने अपने इंस्टाग्राम हैंडल पर शादी से एक फैमिली पिक्चर शेयर की, जिसमें उन्होंने नए शादीशुदा जोड़े को बधाई दी। उन्होंने पोस्ट को कैप्शन दिया, 'ईशान रोशन वेड्स ऐश्वर्या आशीर्वाद और भगवान भला करे! 'वर्क फ्रंट की बात करें तो, ५१ साल के एक्टर ऋतिक रोशन आखिरी बार अयान मुखर्जी की एक्शन थ्रिलर 'वॉर २' में जूनियर एनटीआर और कियारा आडवाणी के साथ नजर आए थे। IMDb पर उपलब्ध जानकारी के अनुसार, वह अगली बार अपनी डायरेक्टोरियल डेब्यू श्रेंष ४' में नजर आएंगे। हालांकि, फिल्म की कहानी के बारे में डिटेल्स अभी सामने नहीं आई हैं।

हमारे अन्य प्रतिनिधि
संजय बाजपेई
सीतापुर
मो.9935160370
प्रियंका त्रिपाठी
नई दिल्ली
विधिक सलाहकार
सुरेश नारायण मिश्र
क्षेत्रीय सम्पादक
सौरभ कुमार, बिहार
मो.09386075289
मो० अरशद
ब्यूरो चीफ
मऊ

स्वात्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक व सम्पादक आरती पाण्डेय द्वारा सांई आफसेट प्रिन्टर्स, 40 वासुदेव भवन भातखण्डे संगीत महाविद्यालय के पीछे, कैसरबाग लखनऊ से छपवाकर एमआईजी 2/379 रश्मिखंड शारदानगर आशियाना लखनऊ उ0प्र0 से प्रकाशित।
आर.एन.आई
UPHIN/2010/32566
सम्पादक
आरती पाण्डेय
मो.9415087228
9889745884. 9807059191. 9026560178
Email-
adbhutsamachar@yahoo.in
adbhut_samachar@rediffmail.com
सभी विवादों का न्यायक्षेत्र लखनऊ होगा।

समाचार पत्र में छपी समस्त प्रकार की खबरों एवं लेखों का स्वात्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक व सम्पादक आरती पाण्डेय से किसी भी प्रकार का कोई लेना देना नहीं है। समाचार पत्र में छपी खबर एवं लेख पत्रकारों के अपने निजी विचार हैं। समाचार पत्र से जुड़े समस्त पत्रकारों के पद अवैतनिक हैं। और वह सब स्वतंत्र पत्रकार हैं। प्रकाशक/सम्पादक